

मुख्य सचिव ने शपथ ग्रहण समारोह की समीक्षा की, दिये निर्देश

रांची। राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में 28 नवंबर को होने वाले हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण को लेकर तैयारियों की समीक्षा की। इसे लेकर कई दिशा-निर्देश भी दिए। शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन का जिम्मा रांची जिला प्रशासन को सौंपा गया है। इसके लिए रांची डीसी वरुण रंजन को कई दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। कैबिनेट कोर्डिनेशन डिपार्टमेंट भी इस पूरे आयोजन की मॉनिटरिंग करेगा। चीफ सेक्रेट्री के साथ हुई बैठक के बाद रांची डीसी और एसएसपी ने आयोजन स्थल मोरहाबादी मैदान का जायजा भी लिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

खुनी निविदा सूचना सं. सी-एफईसीए-एमएचए-ओबीएचए-11-24, भारत के राष्ट्रपति की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक, मांतगमाजी, दक्षिण पूर्व रेलवे, छड़ानपुर मंडल द्वारा नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार www.irops.gov.in वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। योग्य निविदाकारों से अनुरोध है कि वे नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार केवल www.irops.gov.in वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करें। कोई भी ऑफलाइन निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। विवरण के लिए कृपया डॉक्यूमेंट सेक्शन में अपलोड किए गए निविदा कागजात को पढ़ें। **कार्य का नाम:** 02 बर्ष की अवधि के लिए पथपुकर और शालीमार में स्थित 06 प्राइमरी ट्रेनों में लिफ्टेन वितरण और 07 ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएसएस)। **निविदा मूल्य:** ₹. 14,79,77,000.28, **ईएमपी:** ₹.8,89,900/- **निविदा की अंतिम तिथि:** दिनांक 18.12.2024 को 12.30 बजे। **निविदा कागजात की लागत :** ₹.10,000/- (अप्रतिदेय)। **(PR-823)**

हेमंत सोरेन लगातार दूसरी बार सत्ता संभालने वाले होंगे सीएम

28 नवंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम दर्ज हो जायेगा नया रिकॉर्ड

■ हेमंत सोरेन ने चुनाव में बंपर जीत के साथ रचा इतिहास

सुधीर

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में मिली प्रचंड जीत के बाद झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और प्रदेश के सीएम हेमंत सोरेन अपने नाम दो नये रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही हेमंत सोरेन के नाम लगातार दूसरी बार प्रदेश का सीएम बनने का रिकॉर्ड बनेगा। इसके साथ ही प्रदेश की सत्ता संभालने का चौथी बार रिकॉर्ड भी हेमंत सोरेन के नाम ही दर्ज होगा। जी, हां इस तगमा से हेमंत सोरेन वंचित हो सकते थे, यदि वह जेल नहीं जाते। ऐसे में उनके नाम एक ही रिकॉर्ड बनता। वह था सत्ता में लगातार दूसरी बार वापसी का। हालांकि इस चुनाव में शानदार प्रदर्शन कर हेमंत सोरेन ने इंडिया ब्लॉक को अब तक का सबसे बड़ा गठबंधन होने का रिकॉर्ड भी कायम कर दिया। सत्ता के गलियारों में इस बात की चर्चा आम हो गयी है कि झारखंड आंदोलन के अगुवा पूर्व मुख्यमंत्री दिगोम गुरू शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा में बंपर जीत के साथ इतिहास रच दिया है।



झारखंड में कब-कब कौन रहे हैं मुख्यमंत्री			
बाबूलाल मरांडी (बीजेपी)-	15 नवंबर 2000 से 18 मार्च 2003 तक।		
अर्जुन गुंडा (बीजेपी)-	18 मार्च 2003 से 02 मार्च 2005 तक।		
शिबू सोरेन (झामुमो)-	02 मार्च 2005 से 12 मार्च 2005 तक।		
अर्जुन गुंडा (बीजेपी)-	12 मार्च 2005 से 18 सितंबर 2006 तक।		
मधु कोंडा (बिर्दलीय)-	18 सितंबर 2006 से 28 अगस्त 2008 तक।		
शिबू सोरेन (जेएसएम)-	28 अगस्त 2008 से 18 जनवरी 2009 तक।		
राष्ट्रपति शासन-	19 जनवरी 2009 से 29 दिसंबर 2009 तक।		
शिबू सोरेन (जेएसएम)-	30 दिसंबर 2009 से 31 मई 2010 तक।		
राष्ट्रपति शासन-	01 जून 2010 से 10 सितंबर 2010 तक।		
अर्जुन गुंडा (बीजेपी)-	11 सितंबर 2010 से 18 जनवरी 2013 तक।		
राष्ट्रपति शासन-	18 जनवरी 2013 से 13 जुलाई 2013 तक।		
हेमंत सोरेन (जेएसएम)-	13 जुलाई 2013 से 23 दिसंबर 2014 तक।		
रघुवर दास (बीजेपी)-	28 दिसंबर 2014 से 28 दिसंबर 2019 तक।		
हेमंत सोरेन (जेएसएम)-	29 दिसंबर 2019 से 31 जनवरी 2024 तक।		
चंपाई सोरेन (जेएसएम)-	3 फरवरी 2024 से 3 जुलाई 2024 तक।		
हेमंत सोरेन (जेएसएम)-	4 जुलाई 2024 से अभी तक।		

पिता का भी रिकॉर्ड तोड़ेंगे हेमंत सोरेन

लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर हेमंत सोरेन एक साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम करेंगे। वह अपने पिता पूर्व सीएम शिबू सोरेन का भी एक रिकॉर्ड तोड़ेंगे। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर वह राज्य के इतिहास में लगातार दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेने वाले पहले मुख्यमंत्री बन जाएंगे। झारखंड में अभी तक तीन बार मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड है। पूर्व सीएम शिबू सोरेन और बीजेपी नेता पूर्व सीएम अर्जुन गुंडा तीन-तीन बार झारखंड की सत्ता संभाल चुके हैं। इसके अलावा हेमंत सोरेन भी तीन बार राज्य का मुख्यमंत्री रहे हैं। झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव में इंडिया अलायंस ने बहुमत हासिल की है। झारखंड मुक्ति मोर्चा को अलायंस में सबसे अधिक सीटें मिली हैं। रविवार को हेमंत सोरेन को गठबंधन का नेता चुना गया। इसके बाद उन्होंने सरकार बनाने का दावा राज्यपाल से मिलकर पेश किया है। 28 नवम्बर को हेमंत सोरेन चौथी बार सत्ता पर आसीन होंगे। चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन अपने नाम एक रिकॉर्ड भी करेंगे, वह है सबसे अधिक बार सीएम पद संभालने का। वह अपने पिता का रिकॉर्ड इस बार तोड़ने जा रहे हैं।

BEFORE THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, RANCHI
5TH FLOOR, PRAGATI SADAN (RRDA BUILDING),
KUTCHERY CHOWK, RANCHI 834001

O.A. No. 49 of 2022

BETWEEN
BANK OF INDIA, ITI MORE BR., BOKARO**APPLICANT BANK**

VS.
BALWANT SINGH**DEFENDANTS**

SUMMONS ISSUED UNDER RULE 23 (VIII) OF THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL (PROCEDURE)

RULES, 1993

SR NO	DEFENDANTS	ADDRESS
1.	BALWANT SINGH S/O SRI BALIRAM SINGH	R/O HOUSE NO. 92, NEAR GAPSAP COMMUNICATION, RAM NAGAR COLONY, CHAS, DIST. BOKARO 827013 ALSO AT AT-TELIDIH ROAD, NEAR FOUR LANE, CHAS, DIST. BOKARO 827013

Whereas, the Applicant has instituted an Application u/s 19 of the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act 1993 against the Defendants for Recovery of sum of **Rs. 23,47,699.78/- (Rupees Twenty Three Lakhs Forty Seven Thousand Six Hundred Ninety Nine and Paise Seventy Eight Only) together with current and future interest, cost for other reliefs.** The above mentioned Defendants is/are therefore directed to appear before **Registrar in on 07th day of Jan. 2025 at 10.30 A.M.** as to why the reliefs prayed for should not be granted and to file show cause in the matter. The notice that in case of default, the application will be heard and determined in your absence. Given under my hand and seal of this Tribunal on this the 14th day of Nov, 2024.

ASHISH KARN
I/C REGISTRAR

AFFIDAVIT
I UDIT TURKEY S/o- ASHIK LATE SUSHIL TURKEY, resident of Vill-JEHLITAND, P.O- KHALARI, P.S- KHALARI Dist- RANCHI State- Jharkhand- 829205 do hereby solemnly affirm and declare on oath as follows:
1. That I am a CCL. Employee working in. under KDH PROJECT, N.K. AREA at the Post of E.P.FITTER, GR-SR. MECHANIC having PIS No- 14312276.
2. That my real and actual date of birth is 28-05-1968 which is recorded in my Aadhar Card and Pan Card.
3. That SHANTI ORAON @ SANTI ORAON, Aadhar No-3943 7662 5626 is my wife whose real and actual name is written as SHAN-TI ORAON and her actual date of birth is 05-06-1973 which is recorded in her Aadhar Card as well in her Pan Card.
4. That there is some disparities in the name as well as date of birth of my wife which doesn't tally with my service Sheet as well as the documents possessed by her.

30 नवंबर को हार की समीक्षा करेगी भाजपा

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। भाजपा अब झारखंड विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा करेगी। सभी जिलों के जिलाध्यक्ष व प्रचारियों की बैठक 30 नवंबर को होगी। इस बैठक में हार के कारणों पर मंथन किया जायेगा। वहीं, तीन दिसंबर को बीजेपी के सभी राज्यस्तरीय नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। दिल्ली में चुनाव परिणाम को लेकर केन्द्रीय नेताओं के साथ चर्चा होगी। भाजपा नेताओं को मिली जिम्मेवारी के साथ उनके कार्यों की भी समीक्षा की जायेगी।

26 नवंबर से 26 जनवरी तक झारखंड में कांग्रेस चलाएगी संविधान रक्षक अभियान

■ एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, महिला, युवा, किसान समुदायों की स्थिति को खराब करने और इन्हें लक्ष्य करने वाली विभाजनकारी नीतियों को किया जायेगा उजागर

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी जिला अध्यक्षों को 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान पांच विषयों को लक्षित कर चलाने का निर्देश दिया है। यह फैसला अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर लिया गया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने इस संबंध में बताया कि संविधान और समानता की लड़ाई, संविधान द्वारा गारंटीकृत



आरक्षण की सुरक्षा, भेदभाव का उन्मूलन, गरीबों के संविधान विरुद्ध पूंजीवादी सरकार के पक्षपात को उजागर करना, संविधान द्वारा गारंटीकृत लोकतंत्र और स्वतंत्रता पर भाजपा के हमलो को लेकर यह अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान 26 नवंबर से 26 जनवरी 2025 तक चलाया जायेगा। इस पूरे अभियान के दौरान एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, महिला, युवा, किसान समुदायों की स्थिति को खराब करने और इन्हें लक्ष्य करने वाली विभाजनकारी नीतियों को

हेमंत कैबिनेट का फॉर्मूला तय करने के लिए होगी बैठक

केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा कांग्रेस कोटे से कौन बनेगा मंत्री : केशव महतो कमलेश

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड में 2024 विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक ने बंपर जीत हासिल की है। हेमंत सोरेन 28 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल की रूप रेखा अभी तक तय नहीं हो पाई है। हालांकि कहा जा रहा है कि जल्द ही सारी बातें सामने आ जायेंगी। शपथ ग्रहण की तिथि सुनिश्चित होते ही सवाल उठने लगे हैं कि क्या इस बार नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री

आलमगीर समेत सात की हिरासत अवधि बढ़ी

रांची। पीएमएलए कोर्ट ने ठेकों में कमीशनखोरी से प्राप्त रकम की मनी लाउड्रिंग मामले में आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम समेत सात की हिरासत अवधि बढ़ा दी है। इससे पहले जेल में बंद आरोपियों को बीसी के माध्यम से सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। वहीं, जमानत पर चल रहे निर्वाचित चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम समेत चार आरोपियों ने कोर्ट के समक्ष हाजिरी लगायी। अदालत ने अगली पेशी की तारीख 7 दिसंबर निर्धारित की है। मामले में अगली सुनवाई में 12 आरोपियों के आरोप गठन पर सुनवाई होगी। आरोपियों को पुलिस पेपर सौंप दिया गया है।



के साथ पूरा मंत्रिमंडल शपथ लेगा या 2019 की तरह इस बार भी पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ सहयोगी कांग्रेस और राजद के विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे यह अभी साफ नहीं हो पाया है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने

अब पत्थरबाजों की गिरफ्त में आ चुका है झारखंड: बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आंखों को बंद करने से खतरा नहीं जायेगा। अरे वो देखना पड़ेगा, जो देखा नहीं जायेगा। सोशल मीडिया में लिखा कि झारखंड अब लवजिहाद, लैंडजिहाद के बाद अब पत्थरबाजों की गिरफ्त में आ चुका है। अब पत्थर चलाये जा रहे हैं। लाठी मारी जा रही है। घर तोड़े जा रहे हैं। वोट देने के आधार पर जनता को पीटा जा रहा है। उन्होंने साहेबगंज की घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि

कहा है कि इस बार चार विधायक पर एक मंत्री पद होगा या पांच विधायक पर, इसके लिए इंडिया गठबंधन की बैठक होगी और वहीं पर तय होगा। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस कोटे से कौन कौन विधायक मंत्री बनेगा, यह तय केंद्रीय नेतृत्व करेगा लेकिन यह तय है कि पार्टी के प्रति समर्पित और अनुभवी नेताओं को ही मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में किसको बुलाया जाएगा इसका फैसला झामुमो और मुख्यमंत्री को करना है और जो भी बात होगी सब को बता दी जाएगी।



व्योक्ति उसने विश्वास भाजपा पर जताया था। वोट कमल के फूल पर दिया था। परिणाम आते ही झामुमो के लोग भाजपा कार्यकर्ताओं और वोटर्स को पीट रहे हैं। गांव से बेदखल करने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने साहिबगंज डीसी से अनुरोध किया है कि मामले की जांच करके दोषियों को कड़ी सजा दिलवाें एवं ईमाम मिर्जा को सुरक्षा मुहैया करावें।

नयी सरकार के शपथ ग्रहण को लेकर मुख्य अतिथि का निमंत्रण पीएम और असम के सीएम को भेजेंगे : सुप्रियो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड के इस प्रचंड विजय के साथ हमारे नेता हेमंत सोरेन के नेतृत्व में 28 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नई सरकार का गठन करेंगे। उसके बाद यहां के करोड़ों लोगों की आशाओं की पूर्ति होगी। उन्होंने कहा कि इस शपथ ग्रहण समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वेस्वरामा को निमंत्रण पत्र भेजेंगे, वे हमारे मुख्य अतिथि होंगे। हम लोग आपस में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण



में चुनाव लड़ते हैं, घृणा की भाषा बहुत चिंताजनक है। जहां सबसे अधिक जहर उगला, वहां उनका सुपड़ा साफ हो गया, वह सोमवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां आदिवासी सीट है, हरिजन सीट है, उस पर प्रहार होने जा रहा है। सुप्रियो ने कहा कि झारखंड विधानसभा में जो सीटें हैं, उसे कम करने की इनकी कोशिश है। हम इनके मनुवादी सोच को

समझते हैं। इनका पूरा प्रहार फिर से शुरू होगा। यहां के आदिवासी-मूलवासी में धर्म-जाति के नाम पर दारद पैदा करना। यह गंभीर विषय है। इस विजय के लिये 56 नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि का आभार। सुप्रियो ने कहा कि जो लोग विपक्ष में होंगे उनका भी दायित्व है, सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाये। लॉबिअ विकास योजनाओं को केंद्र तक पहुंचाने में मदद करें। जेएलकेएम के एक नेता पर विश्वास है, वे सरकार के साथ चलें। सुप्रियो ने कहा कि मांडू से जन प्रतिनिधि चुने गये, जो दूसरों को रोजगार देने की बात करते थे, वे खुद बेरोजगार हो गये केवल नारा देकर लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते हैं।

झामुमो अपने वायदे पूरे करने पर ध्यान दे : विजय चौरसिया

राज्यहित के कार्यों में हमेशा सहयोग करेगी भाजपा

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विजय चौरसिया ने सोमवार को कहा कि झामुमो के महासचिव को अब सरकार का गठन करवा कर जनता से किये अपने वायदे पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिये। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता ने उन्हें उनके किये वायदे पर बहुत दिया है। अब वो अपने किये वायदे को लागू करवा कर जनता के विश्वास पर खरा उतरें। एनडीए राज्यहित में हमेशा सहयोग को तैयार है। उन्होंने कहा कि शायद झामुमो के महासचिव को अभी से अपने किये वायदे को न पूरा कर सकने का डर सताने लगा है। इसलिये, वो राज्य की जनता का ध्यान भटकाने

के लिये अलग-अलग कहानियां गढ़ने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग अपने वादे भूलने का प्रयास भी करीं तो एनडीए उसे भूलने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि संथाल में घुसपैठ को एनडीए बिसार नहीं सकती। यह राष्ट्रहित का विषय है, आदिवासी समाज और उसकी अस्मिता का विषय है। शोभ्र मंत्रिमंडल का गठन कर दिसंबर से 2500 की राशि मईयां सम्मान योजना के तहत लाभुकों को भेजे जाने चाहिये। वहीं 450 रुपये में गैस सिलेंडर भी मिलना चाहिये। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की जीत के साथ ही राज्य में अपराधिक तत्व फिर उठाने लगे हैं। चोरी छिन्तई के मामले अचानक से बढ़ गये हैं।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, लोहरदगा

अति-अल्पकालीन पुन-निविदा आमंत्रण सूचना – 03 / 2024 – 25 (3rd Call and 2nd Call) गैर-योजना मद (पूर्व का पी.आर. क्रमशः – PR 338627 (Lohardaga) 24-25(D) & PR 336537 (Lohardaga) 24-25 (D))

1.	विभाग का नाम	पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, राँची
2.	विज्ञापनदाता का नाम	कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, लोहरदगा।
3.	परिमाण विपत्र बिड्री की तिथि	30.11.2024 को अपराह्न 3:30 बजे तक।
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	02.12.2024 को अपराह्न 3:00 बजे तक।
5.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	02.12.2024 को अपराह्न 3:30 बजे।
6.	परिमाण विपत्र बिड्री का स्थान	(क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, राँची– 834001. (ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, लोहरदगा– 835302. (ग) सहायक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अवर प्रमंडल, लोहरदगा– 835302.
7.	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	क्रमांक 6 के अनुसार।
8.	निविदाधीन कार्य का विवरण :-	

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राकालित राशि (रुपये में)	अग्रघन की राशि (रुपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदा आमंत्रण संख्या
1.	पथ प्रमण्डल, लोहरदगा के कार्यालय मदन का सुसज्जीकरण कार्य।	9,99,989.00	20,000.00	1,250.00	02 Month.	पुतीय
2.	केशा मोड़-माण्डर पथ (कुल लम्बाई 15.95 कि.मी.) में रोड मार्किंग एवं रोड सेचटी ऑडिट के प्राक्कानानुसार सार्दैन बोर्ड का अधिष्ठापन कार्य।	49,97,270.00	1,00,000.00	5,000.00	01 Month.	द्वितीय

1. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
2. प्राकालित एवं अग्रघन की राशि घट-बढ़ सकती है जो कि परिमाण-विपत्र की बिड्री के समय देखा जा सकता है।
3. बिना कारण बताये विभाग को उक्त निविदा को रद्द अथवा स्वयंति करने का अधिकार सुरक्षित है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमंडल, लोहरदगा।

PR 340296 Lohardaga (24-25)_D

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने झारखंड पवेलियन का किया भ्रमण

त्यापार मेला

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में सोमवार को झारखंड पवेलियन का भ्रमण किया। श्री सेठ ने झारखंड पवेलियन स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने स्टील का भ्रमण कर लोगों को प्रोत्साहित किया और काउन्ता हौसला अफजाई की।

सरकार में शामिल होने पर फैसला 01-02 दिसंबर को : भाकपा माले

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नयी सरकार में झामुमो, कांग्रेस, राजद के साथ-साथ क्या भाकपा माले भी शामिल होगा या नहीं यह बड़ा सवाल राज्य की राजनीति में बना हुआ है। इस संबंध में सीपीआई माले के प्रदेश सचिव मनोज भक्त ने कहा है कि 28 नवंबर को नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सीपीआई माले नई सरकार में शामिल होगा या नहीं इसका फैसला 01 और 02 दिसंबर को होनेवाली पोलित ब्यूरो की बैठक में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले 29 नवंबर को स्टेट स्टैंडिंग कमेटी की बैठक होगी। जिसमें विधानसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा के साथ-साथ इस बात पर पार्टी नेताओं का ओपिनियन लिया जाएगा कि सरकार में शामिल होने के मुद्दे पर उनकी राय क्या है।

हमारी जिम्मेवारी और जवाबदेही बढ़ी : मनोज भक्त ने कहा कि पिछली विधानसभा में हमारे एक सदस्य थे, लेकिन इस बार हमारी संख्या दो है। जनता से जो वादे किए हैं, उसे पूरा करना जरूरी : सीपीआई माले के प्रदेश सचिव मनोज भक्त ने कहा कि हम महागठबंधन में होते हुए भी सरकार का हिस्सा इसलिए नहीं बनते हैं, क्योंकि हम यह देखते हैं कि हम जनता से जो वादे किए हैं, हम जिन मुद्दों और संघर्ष की बात करते रहे हैं उसे पूरा कर पाएंगे या नहीं। झारखंड में विधानसभा चुनाव में हमारे इंडिया गठबंधन ने कई वादे किए हैं। अब वो वादे पूरे हों, यह जिम्मेवारी भी निभानी जरूरी है।

बगोदर की हार का दुख : सीपीआई माले के राज्य सचिव ने कहा कि सिर्फ माले को नहीं, बल्कि राज्य की जनता को भी विनोद सिंह की हार का गम है।

धनवार में इस वजह से जीत गए बाबूलाल : मनोज भक्त ने कहा कि धनवार में बाबूलाल मरांडी की हार तय थी, लेकिन जेएमएम और माले के बीच आपसी सामंजस्य नहीं बनने की वजह से बाबूलाल जीत गए। उन्होंने कहा कि 2019 में हम वहां रनअप थे, इसलिए हमारा दावा पुख्ता था।

सुरेश बैठा की जीत पर निकला विजय जुलूस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कक़ि विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार सुरेश कुमार बैठा की ऐतिहासिक जीत पर कांग्रेस, झामुमो और अन्य सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। रांची जिला युवा झारखंड मुक्ति मोर्चा के संयुक्त सचिव महताब अंसारी के नेतृत्व में कक़ि विधानसभा क्षेत्र में विजय जुलूस निकाला गया। विजय जुलूस में ग्रामीणों के बीच लड्डू बाँटकर खुशी जाहिर की गयी। निर्वाचित विधायक सुरेश कुमार बैठा ने इस दौरान बड़गाईं में वहां की जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि 35 साल से जो क़िला एक पार्टी के नाम था, उसे वहां की जनता ने ढहा दिया। कांके की जनता का आभारी हूं। महताब अंसारी ने कहा

रांची विवि के प्रॉक्टर से मिला एनएसयूआई के सदस्य पीएचडी एंट्रेंस की नयी तिथि घोषित करने की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एनएसयूआइ का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रांची विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर डॉ मुकुंद चंद्र मेहता से मिला। इस दौरान उन्हें पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम 2024 की नयी नियमावली में सुधार करने के लिए आवेदन दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने बताया कि वर्ष 2024 में जो पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम रांची विश्विद्यालय प्रशासन द्वारा जो निकाली गई है, उसमें कई बिंदुओं पर बदलाव करने की आवश्यकता



कि विजय जुलूस में क्षेत्र की जनता में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। क्षेत्र का विकास जो ठहर गया था अब सुरेश बैठा जी के नेतृत्व में रफ्तार पकड़ेगा। मौके पर अंशु लकड़ा, अबू तालिब अंसारी, जाकिर अंसारी, हुरन्सा आरा, शाकिर अंसारी, कुलुम अंसारी, खालिद अंसारी, वारिस अंसारी, जैना उरांव और दुर्गा मुंडा समेत सैकड़ों समर्थक शामिल हुए।



है। एनएसयूआइ ने मांग की कि वर्ष 2022 की तरह 100 अंकों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाये और नेगेटिव मार्किंग पैटर्न को भी हटाया जाये। इसके अलावा परीक्षा फॉर्म शुल्क 2000 को 1000 किया जाये। वाइवा होने से परिवारवाद

और सेटिंग-गेटिंग का खेल चलेगा, इसीलिए इसे हटाया जाए और सुधार कर अविलंब नई तिथि घोषित की जाये। छात्रों की सुनने के बाद प्रॉक्टर ने कहा कि हम कुलपति एवं परीक्षा निर्वन्त्रक से वार्ता कर उचित निर्णय लेंगे।

विश्व को स्थिरता प्रदान कर सकता है दार्शनिक चिंतन : शांडिल्य

डीएसपीएमयू रांची में विश्व दार्शनिक दिवस का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को विश्व दार्शनिक दिवस 2024 का आयोजन किया गया। इसका केंद्रीय विषय था वर्तमान परिदृश्य में दर्शनशास्त्र की प्रासंगिकता। कार्यक्रम कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य की अध्यक्षता में हुआ। वर्तमान परिदृश्य में दर्शनशास्त्र की प्रासंगिकता पर उन्होंने कहा कि विश्व दर्शन 2024 का थीम ही है, सामाजिक अंतर को पाटना। भारतीय दर्शन में व्यावहारिक पक्ष पर ज्यादा जोर दिया गया है। उन्होंने इस संदर्भ में गांधी के दार्शनिक की चर्चा करते हुए प्लेटो, सुकरात, अरस्तू और विवेकानंद के दर्शन की प्रासंगिकता का उल्लेख किया।



उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन का मकसद सिर्फ मानसिक कौतूहल को पूरा करना नहीं है, बल्कि ज़िंदगी की समस्याओं को सुलझाना भी है। भारतीय दर्शन में जीवन को अभिन्न अंग माना गया है। उन्होंने भारतीय दर्शन के विचार पक्ष को समझाते हुए कहा कि भारतीय दर्शन में विचारों की आजादी, मोक्ष का महत्व, आत्मा के अस्तित्व में विश्वास, आशावाद, कर्मफल में विश्वास, पुनर्जन्म में विश्वास जैसी विशेषताएं हैं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं डॉ. तदशा मिश्रा (एडीजी रेलवे, झारखंड), विशिष्ट अतिथि डॉ

एच.पी. नारायण (पूर्व विभागाध्यक्ष न्यूरोसर्जरी रिस्स) , सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ सरस्वती मिश्रा (पूर्व संकायाध्यक्ष, रांची विश्वविद्यालय), प्रो देवशीष गुहा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ सर्वोत्तम कुमार (डीएसडब्ल्यू, डीएसपीएमयू) डॉ अयूब (मानविकी संकायाध्यक्ष, डीएसपीएमयू), डॉ रेखा झा , डा किरण झा , डा रीना नंद व अन्य उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डॉ तदशा मिश्रा, जो स्वयं दर्शनशास्त्र विषय की विद्यार्थी रहीं, ने अपने वक्तव्य के माध्यम से विश्व दार्शनिक दिवस के कार्यक्रम पर

रांची सिटी

ओटीसी चैलेंजर क्रिकेट ट्रॉफी शुरू

रांची। ओटीसी ग्राउंड में सोमवार को ओटीसी चैलेंजर क्रिकेट ट्रॉफी का भव्य उद्घाटन हुआ। समाजसेवी अरुण कुमार गुप्ता ने बतौर मुख्य

अतिथि और उद्घाटनकर्ता इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर अरुण कुमार गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और उन्हें आगामी मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस अवसर पर खिलाड़ियों से खेल भावना और टीमवर्क को महत्व देने की अपील भी की।



झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों के पद शपथ अनुष्ठान कार्यक्रम आयोजित है। उपरांत अवसर पर कार्यक्रम स्थलों पर झारखंड के दूरदर्शन क्षेत्रों से लोगों के आने की संभावना है। कार्यक्रम में अतिथिगण, विशिष्ट व्यक्तियों के अलावा वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों के उपस्थित होने की संभावना है।

वाटर टैक्स कलेक्शन अभियान चलायेगा रांची नगर निगम

रांची। रांची नगर निगम ने शहरी क्षेत्रों में वाटर टैक्स कलेक्शन के लिए विशेष अभियान चलाने की योजना बनाई है। इस संबंध में सोमवार को निगम के उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में वाटर टैक्स कलेक्शन के कामों में गति लाने के उद्देश्य से चयनित एजेंसी श्री पब्लिकेशन एवं स्टेशनर्स प्रा लिमिटेड तथा जलापूर्ति शाखा के कर्मियों के साथ एक बैठक की गयी। इसमें उप उप प्रशासक ने कई जरूरी निर्देश भी दिए।

इसके मुताबिक, डोर टू डोर हर घर में टैक्स कलेक्टर जाएंगे और इससे संबंधित बिल उपभोक्ताओं को देंगे। राजस्व वसूली के कार्य में गति लाते हुए शीघ्र दिए गए टार्गेट को पूरा किया जाएगा। जिन उपभोक्ताओं का मीटर खराब हो चुका है या बदल दिया गया है, उन्हें जल्द ही एक औसत बिल दिया जाएगा। अवैध रूप से वाटर कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को चिन्हित किया जाएगा और कनेक्शन को रेगुलराइज किया जाएगा। नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। बैठक में जलापूर्ति शाखा के इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और अन्य भी उपस्थित थे।

आरबीआई रांची कार्यालय का अठारहवां स्थापना दिवस मना



खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय ने 18वें वर्ष में प्रवेश को लेकर सोमवार को होटल हॉलिडे होम, कांके रोड, रांची में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, झारखंड के अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय निदेशक ने सभी स्टफ सदस्यों एवं अतिथियों को भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय के 18वें स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने यह रेखांकित किया कि एक पूर्ण सेवा प्रदान करने वाले केंद्रीय बैंक के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक देश की वित्तीय और मौद्रिक व्यवस्था के विनियमन, प्रबंधन आदि बुनियादी जिम्मेदारियों के साथ-साथ वित्तीय शिक्षण, समावेशन व जनजागरण के लिए भी प्रतिबद्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस वर्ष

01 अप्रैल को अपने 90वें वर्ष में प्रवेश किया है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर बैंक द्वारा पूरे भारत में कई कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इस उपलक्ष में भारतीय रिजर्व बैंक,रांची कार्यालय ने भी कई नवोन्मेषी कार्यक्रम और अभिनव पहल किये हैं। इसमें वित्तीय जागरूकता संदेश वाली 90 स्लोगन की पुस्तिका 'यात्रा अविराम', 'रिजर्व बैंक पाठशाला में' अभियान के अंतर्गत 90 विद्यालयों में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, जिनमें विशेष योग्यता वाले बच्चों के विद्यालय भी शामिल हैं, 'हरा भरा सुंदर संसार' सूत्रमंत्र के साथ पीघारोपण एवं पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान के साथ एकीकृत करते हुए स्वच्छ मुद्रा सप्ताह व माह, भारतीय रिजर्व बैंक के 90 वर्षों की यात्रा पर दशकाव्रण प्रस्तुति एवं बैंकिंग व आर्थिक विषयों पर व्याख्यान सम्मिलित हैं।

सी.बी.एस.ई. क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में शारदा ग्लोबल स्कूल के छात्रों का अभूतपूर्व प्रदर्शन



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सी.बी.एस.ई. द्वारा रांची के डी.पी.एस. में रीजनल लेवल साइंस एक्जीबिशन का आयोजन किया गया जिसमें पटना रीजन के 32 स्कूल के छात्रों ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी में शारदा ग्लोबल स्कूल के कक्षा नौवीं के छात्र पार्थ गुप्ता और आर्यक गुप्ता प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए जो दिल्ली में आयोजित होगी। वहां छात्र अपने प्रोजेक्ट का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शनी में सब थ्रीम 'ट्रांस्पैरेंट एवं कम्प्यूनिकेशन' के अन्तर्गत स्कूल के छात्रों ने रडार बेस्ट जीएसएम

लोअर बाजार में युवती ने की आत्महत्या

रांची। राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र में एक युवती ने आत्महत्या कर ली है। युवती ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि, आत्महत्या के कारण का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और युवती के परिवार से पूछताछ कर रही है।

चीफ जस्टिस के पिता का निधन

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव के पिता और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एम जगन्नाथ राव का निधन हो गया है। उन्होंने 25 नवंबर को अंतिम सांस ली। वह 88 वर्ष के थे। जस्टिस एम जगन्नाथा राव का जन्म 2 दिसंबर 1935 में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1965 में वकालत के पेशे से न्यायिक करियर की शुरुआत की थी। जस्टिस एम जगन्नाथा राव के निधन से न्याय जगत में शोक का माहौल है।

जहांगीर व संजीव की डिस्चार्ज पर फैसला आज

रांची। टेंडर घोटाला के जरिये करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी जहांगीर आलम और संजीव लाल की डिस्चार्ज पीटीशन रांची ईडी की विशेष कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है। सोमवार को जहांगीर आलम और संजीव लाल की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट अब मंगलवार को अपना फैसला सुनायेगा।

नाबालिग से रेप की कोशिश के दोषी को दस वर्ष कैद

रांची। सिविल कोर्ट ने नाबालिग के साथ रेप करने की कोशिश करने के दोषी सुखैर उरांव उर्फ लंगड़ा को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने सुखैर उरांव पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पोवसो मामले के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने यह फैसला सुनाया है। प्राथमिकी के मुताबिक एयरपोर्ट रोड हिनू निवासी सुखैर नाबालिग के साथ जोर जबरदस्ती करता था, जिसे लेकर पीड़िता की मां ने एयरपोर्ट थाना में वर्ष 2022 में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

सीसीएल अस्पताल में चिकित्सा शिविर 28 को

रांची। सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, कांके रोड, रांची में 28 नवंबर दिन बृहस्पतिवार को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक विलिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में यशोदा अस्पताल, हैदराबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. कश्यप व्यास (सीनियर इंटरवैशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जांच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिपोर्ट/जांच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये।

श्रीलक्ष्मी वैक्कटेश्वर मंदिर में आज उत्सव एकादशी

रांची। बालाजी मन्दिर में मंगलवार को उत्पन्ना एकादशी का अनुष्ठान मनाया जासेगा। मंदिर का एट प्रातः 7 से 12 बजे तक एवं सायं 4 बजे से 7 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे। सोमवार के सायं जगदगुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज रांची पहुंचे। श्रीस्वामी जी के साथ गोविंद दास जी महाराज और दामोदर दास जी भी पधारें हैं।

श्रीअद्वैत स्वरूप सन्यास आश्रम का परम ज्ञान सत्यंग 29 से

रांची। श्रीअद्वैत स्वरूप सन्यास आश्रम का तीन दिनी वार्षिक परम ज्ञान सत्संग 29 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है। मेकन इस्पात क्लब हॉल में रांची संगत की ओर से इस बार भी इसका खास आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन शाम छह बजे ईश्वर और सद्गुरु की आराधना से सत्यंग की शुरुआत होगी। इसके बाद भजन और प्रवचन होंगे। महामंडलेश्वर साध्वी निर्भयानंदपुरी निर्मल बहन सहित रांची पहुंचे कई साधु-संत अनुयायियों को आशीर्चन प्रदान करेंगे। दूसरे दिन भी शाम छह से रात आठ बजे तक कार्यक्रम चलेगा। अंतिम दिन रविवार को मेकन नर्सरी में सत्यंग,भजन और भंडारा का क्रमवार सिलसिला दिन के नौ से एक बजे तक चलेगा।

आगमन उत्सव सह क्रिसमस मेला 18 दिसंबर से

रांची। क्रिसमस के अवसर पर 18 से 22 दिसंबर तक आगमन उत्सव, क्रिसमस गैदरिंग सह मेला का आयोजन होगा। यह आयोजन रांची कैथोलिक पल्ली, खेल समिति की ओर से लोयला मैदान में होगा। क्रिसमस उत्सव पांच दिनों तक दोपहर 1 से रात 9 बजे तक चलेगा। प्रदेश के लिए 50 रुपए टिकट शुल्क रहेगा। टिकट पर प्रतिदिन लॉटरी भी निकलेगा और इनाम दिया जायेगा। मेले में खानपान और दसरी उत्पादों की विक्री के लिए स्टॉल लगाये जाएंगे। बच्चों के लिए किड फन जोन होगा। मौके पर पल्ली पुरोहित फादर आनंद डेविड खलखो, सहायक पल्ली पुरोहित दीपक बाड़ा, सुनिल लकड़ा, सुनिल खलखो, जुलियन केरकेसा, मधु कच्छप, अजय जोसेफ टोप्पो, फ्रांसिसिका खलखो, जोन लकड़ा सहित कई लोग मौजूद थे।

मेडिका रांची ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

रांची। मेडिका रांची और भगवान महावीर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर जैन समाज के सहयोग से सोमवार को श्री दिगंबर जैन मंदिर अपर बाजार में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 120 रोगियों की जांच हुई। साथ ही रक्तचाप जांच,शुगर, ईसीजी, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट मेडिका की कुशल नर्सिंग टीम की देख-रेख में हुआ। मेडिका के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विजय कुमार मिश्र, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक कुमार, श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश जैन, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश अग्रवाल, रोगी रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम सिंह, किटिकल केयर एवं इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. विशाल कंधेवे और डॉ. शंकर ने स्वास्थ्य कैम्प में आए सभी रोगियों की जांच की। डॉ. विजय मिश्र ने कहा की ऐसे और भी शिविर आयोजित करने की योजना है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ हो।

बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के घर पर चोरों ने मचाया उत्पात

रांची। बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के हरमू कॉलोनी के सहजानंद चौक वाले घर पर रविवार की देर रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने अलमीरा तोड़कर सारा सामान बिखेर दिया। प्रतुल शाहदेव ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा कि चोर ने ऊपर वाले कमरे में जमकर उत्पात मचाया। ऐसा लग रहा था कि घर में घुसने वालों को मेरे सीसीटीवी कैमरे की पीजीशन अच्छे से पता थी। यानी उन्होंने मेरे घर की रेकी की थी। प्रतुल शाहदेव ने बताया कि सीसीटीवी में एक चोर की तस्वीर भी कैद हुई है। उन्होंने इस संबंध में रांची पुलिस को सूचना दे दी है। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि पुलिस शीघ्र इस घटना का उद्देहन करेगी। बीजेपी प्रवक्ता ने सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर के मध्य में राजपथ पर स्थित मेरे घर में जब ऐसी वारदात हो सकती तो बाकी लोग कितने महफूज है ? इधर इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अपने स्तर से कार्रवाई शुरू कर दी है।



मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिकी के समर्थकों ने निकाला विजय जुलूस



खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर/चाहो। प्रखंड क्षेत्र में निर्वाचित विधायक शिल्पी नेहा तिकी के समर्थकों ने सोमवार को विजय जुलूस सह आभार यात्रा निकाली। इस जुलूस में सैकड़ों कार्यकर्ता और आम जनता दो पहिया, चार पहिया वाहन में झामुमो कांग्रेस का झंडा लगाकर शामिल हुए। यह यात्रा मांडर के ब्राम्बे चौक से शुरू हुई और चान्ही के पंडरी में समाप्त हुई। इस बीच सभी चौक चौराहों पर शिल्पी नेहा तिकी के स्वागत के लिए महिला, पुरुष,



बुजुर्ग, स्कूली छात्र-छात्राएं कतारबद्ध होकर रास्ते में खड़े थे। सबके हाथों में फूलमाला एवं



कांग्रेस पार्टी का झंडा था। विधायक शिल्पी नेहा तिकी ने सर्वप्रथम मुड़मा स्थित शक्ति स्थल जाकर

विजय जुलूस में कार्यकर्ताओं का उत्साह आसमान छू रहा था। इंडिया गटबंधन जिंदाबाद, बंधु तिकी, जिंदाबाद, शिल्पी नेहा तिकी जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारे लग रहे थे और रंग गुलाल के साथ-साथ आतिशबाजी भी हो रही थी। साथ ही सभी चौक-चौराहों पर शिल्पी नेहा तिकी ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारी जीत नहीं बल्कि आपकी जीत है। यहां पर अमन पसंद करने वालों की जीत है, मोहब्बत की जीत है, मैं सभी जानता हूँ कि तहे दिल से धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने

मुझे दोबारा सेवा करने का मौका दिया। आपकी सेवा में हर समय तत्पर रहूंगी। आभार यात्रा के दौरान विधायक ने बीजुपड़ा चौक स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय सोमा टाना भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस विजय जुलूस को सुचारू रूप से अपने गंतव्य स्थान पहुंचने में कोई बाधा उत्पन्न ना हो, आने जाने वाले वाहन को कोई परेशानी ना हो इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा।

एनके एरिया में सिविल विभाग की हालत जर्जर



खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। एनके एरिया महाप्रबंधक कार्यालय का एक हिस्सा सिविल विभाग की हालत जर्जर हो गयी है। सिविल कार्यालय पूरे एनके एरिया के कॉलोनी का निर्माण व मरम्मती, सड़क निर्माण, पानी, बिजली व्यवस्था सहित अन्य की पूर्ण जिम्मेवारी का बोझ ढोता है। लेकिन देखा जा रहा है कि सिविल विभाग पूरे एनके परियोजनाओं के कार्य का बोझ ढोते ढोते खुद ही बीमारी से ग्रसित हो गया है। क्षेत्र की व्यवस्था को सुदृढ़ करने की जिम्मेवारी जिस कार्यालय पर है वही कार्यालय कुव्यवस्था से ग्रसित है। सिविल कार्यालय अभियंता का कार्यालय की स्थिति पूरी तरह से जर्जर है। इस संबंध में एनके एरिया के यूनियन नेताओं ने कहा कि एनके

क्षेत्र का सिविल विभाग ही बिमार हो, तो उस विभाग से बेहतर इलाज कैसे होगा। यूनियन के नेताओं ने बताया कि ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए वर्तमान में ही आवास मरम्मती कार्य के लिए मोहननगर, सेन्ट्रल कॉलोनी का कार्य के लिए लाखों रुपये आर्वाइट किये गये थे। उसके बाद सिविल विभाग कालोनियों का प्राक्कलन को अनुमोदन किया गया है, जो निविदा के लिए प्रतिरक्षित है। वर्तमान में प्राक्कलन के उच्च दर पर भी वार्षिक रखरखाव का कार्य प्रदान किया गया था। अनुमोदित मूल कार्य के निविदा को स्थगित कर अनाप शनाप कार्य के (विचलन) के नाम पर कार्य के (विचलन) के नाम पर कार्य से ठेकेदार को आर्थिक लाभ पहुंचाया जा रहा है तथा कंपनी को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

बेड़ो में तीन सड़क हादसों में एक युवक की मौत, चार घायल

- ऑटो और बाइक की सीधी टक्कर में शायी समारोह से लौट रहे एक युवक की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम को साढ़े पांच से साढ़े छह बजे के बीच करीब एक घंटे में हुई तीन अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक की मौत हो गई और चार युवक घायल हो गए। जहां पहली घटना बेड़ो-लोहरदगा मार्ग पर करांजी पुल के समीप एक बाइक व सवारी ऑटो की टक्कर में लोहरदगा भंडरा के मसमानो रोड भैसमुंदो गांव निवासी बाइक सवार 25 वर्षीय नारायण महतो, पिता धनेश्वर महतो की मौत हो गई। वहीं 26 वर्षीय किशुन महली, पिता



मृतक नारायण महतो (फाइल फोटो), घायल किशुन महली, घायल बिरसा कच्छप तथा घायल मैजू मुंडा फेकुआ महली गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे पीसीआर पांच के पुलिसकर्मीयों ने घायलावस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां डा. भावना ने उपचार के दौरान एक घायल युवक नारायण महतो को मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक युवक के बड़े भाई कुंजे महतो, मामा राजू यादव और पंचायत के मुखिया परमेश्वर महली ने सीएचसी पहुंचकर शव की पहचान की। मृतक के स्वजनों ने बताया कि नारायण महतो बेड़ो में एक विवाह समारोह से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क हादसा हुआ। इधर दूसरी घटना बेड़ो साईं मंदिर रोड पर बैरटोली गांव के पुल के समीप हुई। जिसमें बाइक सवार के असंतुलित होकर गिरने से बाइक सवार युवक बेड़ो पंडरा कुसुमटोली गांव के दो युवक 25 वर्षीय बिरसा कच्छप और 17 वर्षीय आकाश उरांव घायल हो गए। स्वजनों ने बताया कि आकाश उरांव हरहंजी हाई

खिजरी विधायक राजेश कच्छप को मंत्री बनाने की मांग

अनगड़ा। खिजरी से लगातार दूसरी बार भारी मतों से निर्वाचित विधायक राजेश कच्छप को कांग्रेसियों ने मंत्री बनाए जाने की मांग की है। कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कहा है कि विधायक श्री कच्छप कर्मठ नेता हैं, नव जवान हैं और कार्य करने एवं निर्णय लेने की क्षमता है। समाज के हर लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। लोगों को इनसे आशा और अकक्षाएं भी हैं। इन्हें मंत्री पद की यदि जिम्मेवारी दी जाती है तो वे राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इन्हें मंत्री बनाने की मांग करने वालों में डॉ अमर कुमार चौधरी, मुस्ताफा अंसारी अब्दुल इमाम अंसारी, राजेन्द्र मुंडा, वनमाली महतो, मिन्हाज अंसारी, शफीक अंसारी, साकीर अंसारी, मुन्ना मुंडा, तिबारी भोक्ता, समीम खान, विश्राम महतो, इब्राहीम अंसारी, लोकनाथ पहान, प्रमुख दीपा उरांव, उप प्रमुख जयपाल हजाम, परवेज खान, शहनाज परवीन, अनीता देवी, समीता कैथा, सरीता देवी, शिवदास गोस्वामी सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता शामिल हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने को लेकर स्वास्थ्य उपकेन्द्र को मॉडल के रूप में विकसित करने का निर्णय

- ओरमांझी में विभिन्न समितियों ने की पहल

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के आनंदी स्वास्थ्य उपकेन्द्र को मॉडल के रूप में विकसित करने का निर्णय गांव वालों ने लिया है। गांव के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रखंड के बारीडोह पंचायत में विभिन्न समितियों की एक संयुक्त बैठक हुई। प्रगति परिषद के मुख्यालय में मुखिया पार्वती देवी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आनंदी स्वास्थ्य उपकेन्द्र को मॉडल उपकेन्द्र के रूप में विकसित कर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुखिया



पार्वती देवी ने कहा पंचायत के सभी लोगों का जीवन बेहतर व सुखमय बनाने के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पंचायत के सभी समितियों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है। वहीं कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित शिक्षाविद व प्रगति परिषद के महासचिव प्रो. शैलेन्द्र मिश्र ने कहा स्वास्थ्य सुविधाओं को जन-जन तक पहुंचा कर लोगों को स्वस्थ व सुखी बनाने की दिशा में तेज कोशिश होनी चाहिए। कहा टीबी व कुछ रोग जैसी बीमारियों के प्रति लोगों में जागरूकता का

संचार करना समय की मांग है। बैठक में कायाकल्प कार्यक्रम, एक्वास कार्यक्रम और महिलाओं से जुड़ी बीमारियां, सुगर बीपी सहित सरकार द्वारा चलाये जा रहे जन उपयोगी कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। मौके पर उपमुखिया बनवारी लाल साहू, दुर्गाचरण साहू, सीएचओ उमा कुमारी, संगीता कुमारी, एएनएम सुनील टोपो, स्वास्थ्य सहिबा शिवन देवी, सहित जन आरोग्य समिति, ग्राम स्वास्थ्य समिति व प्रबंध समिति, ग्राम पंचायत बारीडोह के समिति के सदस्य आदि उपस्थित थे।

डॉक्टर एके गोस्वामी से चिकित्सा जगत शर्मसार

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। झिरी आनंदनगर की 18 वर्षीया युवती ने मां आनंदमयी नगर स्थित ममता पॉली क्लिनिक के संचालक सह चिकित्सक डॉ अरुण कुमार गोस्वामी पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुये रातू थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। पीड़िता 14 नवंबर को बुखार होने पर क्लिनिक आयी और डॉ गोस्वामी से जांच कराई। उन्होंने

- छेड़खानी के आरोप में चिकित्सक को जेल
- पीड़िता के साथ 24 नवंबर को घटी घटना

टाइफाइड होने की बात कह कर उसे दस दिनों की दवा दी और दस दिन बाद जांच के लिये बुलाया। 24 नवंबर की दोपहर 12 बजे जांच के लिये क्लिनिक पहुंची, तो डॉ गोस्वामी ने उसके साथ छेड़खानी की। डॉक्टर ने उसके प्राइवेट पार्ट में अंगुली डाली।

पीड़िता से कहा कि रविवार है, इसलिये उसको आधा घंटा रुकना पड़ेगा। डॉ गोस्वामी की नियत को धोखा उसने अपनी बहन को फोन कर बात करने लगी, तभी डॉक्टर ने उसकी पीछे से पकड़ लिया और कमर में हाथ फेरने लगे। इसके बाद वह डॉक्टर को जोर से धक्का देकर वहां से भाग निकली और थाना पहुंचकर इसकी लिखित शिकायत की।

डॉ गोस्वामी की इस कृत्य से चिकित्सा जगत शर्मसार हो गया है। पुलिस इसकी तफ्तीश कर रही है।

स्वतंत्रता सेनानी ठेबले उरांव की 161वीं जयंती मनी

- महान स्वतंत्रता सेनानी थे ठेबले उरांव : डॉ राजाराम
- सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। स्वतंत्रता सेनानी ठेबले उरांव 161वीं जयंती पर श्रद्धा से याद किये गये। पैतृक गांव गुडू में स्मारक समिति की ओर से आयोजित



समारोह का उद्घाटन कुरमाली भाषा परिषद् राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजाराम

महतो ने दीप प्रज्ज्वलित और चित्र पर माल्यार्पण कर किया। डॉ महतो

बेड़ो प्रखंड में अब तक पैक्स नहीं खुलने से परेशान हैं क्षेत्र के किसान औने-पौने दाम पर बिचौलियों को धान बेचने को हैं विवश

- लहलहाती धान की फसल से अच्छी कमाई की आस लगाए बैठे हैं किसान

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड क्षेत्र में अधिकांश किसान खेती पर निर्भर हैं। हाड़ तोड़ मेहनत और खेतों में लहलहाती धान की फसल से अच्छी कमाई की उम्मीद भर से किसानों के चेहरे पर खुशी झलकती है। लेकिन बेचने के समय इनके चेहरे पर मायूसी छा जाती है। कुछ ऐसा ही प्रखंड के किसानों के साथ हो रहा है। इन किसानों को धान की सही कीमत नहीं मिल रही है। किसान बताते हैं कि अब तक प्रशासन की ओर से धान खरीदने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।



प्रखंड में पैक्स नहीं खुलने से अब किसान धान को बाजार में औने-पौने दाम पर बेचने को विवश हो रहे हैं। प्रखंड में साहूकार व बिचौलिए द्वारा मात्र 1800-1900 रुपये क्विंटल लिया जा रहा है। जबकि राज्य सरकार ने पैक्स में बोन्स के साथ 2300 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। पैक्स चालू नहीं

क्या कहते हैं किसान प्रखंड के किसान शंकर बड़ाइक रवि उरांव, रमेश ओहदार, राम उरांव व शिवा ने बताया कि धान घर व खलिहान में पड़ा हुआ है जिसे बेचने में कठिनाई हो रही है। विवश होकर स्थानीय बाजार में सस्ते दर पर धान बेचने को विवश हैं। सरकारी खरीदी नहीं होने के कारण किसान अपनी मेहनत की फसल को औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं। होने से यहां धान की खरीदारी नहीं हो रही है। सरकारी दर पर धान नहीं बेच पाने की वजह से किसान परेशान हैं। धान की सही कीमत नहीं मिलने से अब इन किसानों का खेती से लगाव धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। इस साल उनके खेतों में धान की फसल अच्छी हुई। लेकिन धान की कीमत बाजार में बहुत कम है। सरकारी घोषणा के अनुसार पैक्स में धान लिया जाएगा लेकिन अभी तक चालू नहीं किया गया है, जो चिंता का विषय है। जबकि प्रखंड की 90% आबादी कृषि पर निर्भर है। कृषि में धान की खेती ही



बेड़ो में अपना धान बेचते किसान तथा खलियान में रखा धान

क्षेत्र के किसानों की मुख्य पूंजी है। धान की खेती से ही प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड क्षेत्र के किसान साल भर जीवन यापन करते हैं। क्षेत्र में किसानों की व्यस्तता जहां धान कटाई को लेकर बढ़ी है। वहीं इस वर्ष धान की फसल भले ही अच्छी हुई हो, पर किसानों की आमदनी अच्छी नहीं हो रही है।

गोला फेंक में श्रेया, आंचल और प्रियंका ने जीता स्वर्ण



खबर मन्त्र संवाददाता

सिकिद्विरी। सिकिद्विरी में चल रहे जनकल्याण समर्पण संस्थान खेल महोत्सव के दूसरे दिन के गोला फेंक स्पर्धा के सिनियर बालिका वर्ग में आंचल कुमारी स्वर्ण पदक, श्रेया कुमारी रजत पदक, दिव्या कुमारी कांस्य पदक, जूनियर प्रियंका कुमारी स्वर्ण पदक, अंजू कुमारी, रजत पदक, रूपाली जयसवाल कांस्य पदक, सब जूनियर चंचल कुमारी स्वर्ण पदक, रोशनी कुमारी रजत पदक, मवती कांस्य पदक, बालक जूनियर सुदेश कुमार स्वर्ण पदक, अंश महतो रजत पदक, सैयद अंसारी ब्रजकिशोर प्रसाद, माधु करमाली, स्वर्ण पदक, अंश करमाली रजत एवं जितेन्द्र बेदिया ने कांस्य पदक जीता

है। मुख्य अतिथि सिकिद्विरी थाना के सब इस्पेक्टर रोशन सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने कहा कि संस्थान के द्वारा इतना बड़ा आयोजन सराहनीय और प्रशंसनीय है। अध्यक्षता कार्यक्रमी अध्यक्ष कुंती देवी एवं संचालन कोषाध्यक्ष रमण कुमार ने किया। मौके पर महासचिव सत्यपाल राउत, सचिव राजकुमार, मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार दीपू, सक्रिय सदस्य विजय सिंह, गोविंदा कुमार, संदीप कुमार वर्मा, संजय कुमार गुडू, कमलकांत साव, संजु गोस्वामी, ब्रजकिशोर प्रसाद, माधु करमाली, प्रदीप कुमार, संजय राणा, टिकेश्वरी पांडेय, ऋषि सिंह आदि उपस्थित थे।



परिणाम से सबक

महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की अप्रत्याशित जीत ने सबको चौंकाया तो वहीं झारखंड में इंडिया इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद शायद भाजपा गठबंधन को भी नहीं रही होगी। वहीं दूसरी ओर भले ही झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी हो, मगर महाराष्ट्र की महाविजय झारखंड के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके गहरे निहितार्थ हैं। काँग्रेस भी हरियाणा में मिले झटके से कोई सबक नहीं सीख पायी। इसके विपरीत, महायुति ने मतदाताओं को लुभाने के लिये हर संभव प्रयास किया। खासकर महिला केद्रित लाइली बहन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने अद्भुत काम किया। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के जो मुद्दे चले, वे झारखंड में निष्प्रभावी रहे। हेमंत सोरेन झारखंड की जनता को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि वे आदिवासी हितैषी हैं। एक हैं तो सेफ हैं का नारा तथा घुसपैठियों का मुद्दा झारखंड के लोगों को रास नहीं आया। कहीं न कहीं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन के खिलाफ हुई कार्रवाई उनके लिये सहानुभूति जगाने की वजह बनी। वहीं महिलाओं के खातों में गई एकमुश्त रकम ने उन्हें बड़ा संबल दिया। महिला कल्याण केन्द्रित योजनाओं के चलते महिला वोटर महाराष्ट्र और झारखंड में निर्णायक साबित हुए। लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम काँग्रेस के लिये बड़ा झटका हैं। एक ओर जहां वह झारखंड में झामुमो के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में सरकार का हिस्सा रहेगी, वहीं महाराष्ट्र में हुई हार ने उसे इंडिया गठबंधन में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति को कमजोर किया है। आशा है भविष्य की रणनीति बनाने में उसके लिये महाराष्ट्र के सबक मददगार साबित होंगे। झारखंड औरमहाराष्ट्र की जीत एक स्थायी सरकार पर मुहर लगाती है।



मेघ : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष : कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन : स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क : पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। चार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह : कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानि से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट को हल करना होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

भूमित्यक्ति

धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है।

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से डिस्काल हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चंटेती बन बैठीं।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नरसंजद किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों,



गैंग्स्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग संशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के



बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की



epaper.khabarmantra.net



लेटर टू एडिटर

रेवड़ी संस्कृति

आज रेवड़ी संस्कृति के दौर में प्रासंगिक लगा। आज राजनीति को रेवड़ी हाथ लग गई है और वह लगातार जनता को अपने मतलब के लिए बेवकूफ बनाकर सत्ता सुख भोग रही है। लोग भी लालच में इतने अंधे हो गए हैं कि उन्हें अपने मतलब के सिवा कुछ और नहीं सुझ रहा। आज एक नीतिगत और जनकल्याणकारी घोषणा पत्र की जरूरत है जो लालच नहीं विकासवादी हो।

-**अमृतलाल सिंह, रांची**

स्वच्छता जिम्मेदारी

पीएम शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपनों को साकार करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। हालांकि, कुछ राज्यों में स्वच्छता के मामले में सुधार की कमी है। डब्लू एच ओ के अनुसार, भारत में हर व्यक्ति औसतन 6500 रुपये बीमारियों पर खर्च करता है। हमें मिलकर इस दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है।

- **रवि, रांची**



पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति एम जगन्नाथ राव जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। वे एक कुशल न्यायविद् थे जिन्होंने न्यायपालिका में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मरगंबुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति दें। विनम्र श्रद्धांजलि

-हेमंत सोरेन, सीएम चंदनकियारी (सिलफोर पंचायत), बोकारो के वीर सपूत अनिरुध्द अर्जुन महताे जी के शहीद होने को दुखद खबर ने हृदय को व्यथित कर दिया। परमात्मा से प्रार्थना है कि वीर शहीद को आत्मा को शांति प्रदान करें। - **कल्पना मुर्मू सोरेन, विधायक**

इजराइल-ईरान संघर्ष बढ़ा पूरी दुनिया पर प्रभाव पड़ना निश्चित

ललित मोहन बंसल, लॉस एंजेल्स से

ईरान ने खाड़ी में अपने वर्चस्व के लिए आतंकवादी संगठनों-लेबनान में हिज्बुल्लाह, फि लिस्तीन-गाजा में हमास और यमन में हाउती को खूब पाला-पोसा। अब इन्हीं की गलतियों की सजा अगर ईरान भुगतता है तो वह समझ ले कि शिया आतंकवादियों के माई-बाप आयतुल्ला खुमैनी को खाड़ी में सिर छुपाने की भी जगह नहीं मिलेगी?

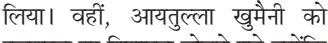
इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु विवश होते जा रहे हैं कि वह अपनी ऑफिस चाल चल दें, वहीं रूस खुले तौर पर और चीन दहे स्वर में इजराइल को घेरने की कोशिश में हैं। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर खेमेबंदी जारी है। ध्यान में यह भी रहे कि अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव हैं। प्रतिष्ठा के चुनव चुनवी माहौल में डेमोक्रेट की चुनाव जीतना है तो राष्ट्रपति को ही उम्मीदवार कमला हैरिस को इजराइल के पक्ष में खुल

कर सामने आना होगा।

बेंजामिन नेतन्याहु ने ईरान की ओर से किए गए क़रीब डेढ़ सौ मिसाइल और ड्रोन हमलों के तुरंत बाद कैबिनेट मीटिंग में फैसला कर लिया कि ईरान ने दूसरी बार मिसाइलों व ड्रोन से सीधे हमला कर बड़ी भारी गलती कर दी है और खुली ही इसका करारा जवाब दिया जाएगा।

लेबनान में हिज्बुल्लाह के मुखिया हसन नखुल्लाह और उसके क़रीब एक दर्जन कमांडरों को मौत के मुँह में धकेलने के हफ़्ते-दस दिन बाद आयतुल्लाह नेतन्याहु विवश होते जा रहे हैं कि वह अपनी ऑफिस चाल चल दें, वहीं रूस खुले तौर पर और चीन दहे स्वर में इजराइल को घेरने की कोशिश में हैं। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर खेमेबंदी जारी है। ध्यान में यह भी रहे कि अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव हैं। प्रतिष्ठा के चुनवा चुनवी माहौल में डेमोक्रेट की चुनाव जीतना है तो राष्ट्रपति को ही उम्मीदवार कमला हैरिस को इजराइल के पक्ष में खुल

सामयिक



लिया। वहीं, आयतुल्ला खुमैनी को इजराइल पर मिसाइल छोड़ने पड़े क्योंकि मत जुलाई में राष्ट्रपति मसूद पेशकियाँ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए हमास के पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हानिये को तेहरान में ही लक्ष्यभेदी मिसाइली हमले में मार गिराया था। इसके बाद लेबनान में हिजबुल्ला के प्यादों को पेजर बम, बाँकी-टाँकी बम से हैरान परेशान किया तो अब हिजबुल्ला चीफ हसन नखुल्लाह समेत अनेक कमांडरों को जमींदोज कर दिया। हसन नखुल्लाह को तो इजरायली सेना ने सटीक निशाना साधते हुए जमीन के 200 फीट नीचे बने सुरक्षित बंकर में ही मौत की नींद सुला दिया। इससे हिजबुल्ला, हमास सहित ईरान और खुमैनी द्वारा पोषित सभी आतंकवादी घबरा गए और उनमें भगदड़ मचने लगी। इन्हें रोके रखने के लिए ही मंत्रिमंडल में एक स्वर में फैसला कर

धीमी होती विकास दर बड़ी चिंता का विषय

घोषित किए जाएंगे। बहरहाल, आलेख

आर्थिक

यह नजरिया फिर से जोर पकड़ रहा है कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को नीतिगत दरों का निर्धारण करते समय खाद्य कीमतों की अनदेखी करनी चाहिए। यह मांग भी हो रही है कि नीतिगत व्याज दरों को कम किया जाए। ऐसा करने वालों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। इस संदर्भ में यह देखना दिलचस्प होगा कि मुद्रास्फीति के वास्तविक हालात क्या हैं और रिजर्व बैंक का रुख कैसा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर में 6.2 प्रतिशत रही जबकि सितंबर में यह 5.5 फीसदी थी।

में एक उल्लेखनीय बात यह थी कि इसमें मुद्रास्फीति के हालात का विश्लेषण किया गया जिस पर विभिन्न मंचों पर बहस चल रही है।

यह नजरिया फिर से जोर पकड़ रहा है कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को नीतिगत दरों का निर्धारण करते समय खाद्य कीमतों की अनदेखी करनी चाहिए। यह मांग भी हो रही है कि नीतिगत व्याज दरों को कम किया जाए। ऐसा करने वालों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। इस संदर्भ में यह देखना दिलचस्प होगा कि मुद्रास्फीति के वास्तविक हालात क्या हैं

और रिजर्व बैंक का रुख कैसा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के दर अक्टूबर में 6.2 प्रतिशत रही जबकि सितंबर में यह 5.5 फीसदी थी।

उल्लेखनीय है कि सीपीआई खाद्य और सीपीआई कोर में मासिक आधार पर 2.2 और 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। हाल के महीनों में जहां खाद्य मुद्रास्फीति हेडलाइन दरों से संचालित रही वहीं अक्टूबर में कोर दरों में भी इजाफा हुआ। अक्टूबर में कोर मुद्रास्फीति की दर 3.8 फीसदी थी। चिंता की वजह यह है कि रिजर्व बैंक

के अर्थशास्त्रियों ने ऊंची खाद्य कीमतों के दूसरे दर्जे के प्रभावों को रेखांकित किया जाता है।

इस बात के भी संकेत हैं कि कुछ क्षेत्रों में जीवन यापन की लागत का दबाव वेतन भत्तों में भी नजर आने लगा है। हेडलाइन दरों के आने वाले महीनों में कम होने की उम्मीद है। इस पर क़रीबी नजर रखने की आवश्यकता है। यह बात भी रेखांकित करने योग्य है कि अगर हेडलाइन या खाद्य मुद्रास्फीति की दर आने वाले महीनों में कम होती है तो इससे कीमतों में इजाफे की दर धीमी होगी और उपभोक्ता तुलनात्मक रूप से ऊंची कीमत चुकाना जारी रखेंगे। हाल के वर्षों में कीमतों में टिकाऊ वृद्धि को देखते हुए, खासतौर पर खाद्य के क्षेत्र में मूल्य वृद्धि के कारण वेतन संबंधी वार्ता प्रभावित हो सकती है।

ऐसे में केंद्रीय बैंक के लिए यह बात महत्वपूर्ण है कि वह मुद्रास्फीति के नतीजों को यथासंभव लक्ष्य के साथ सुसंगत बनाए और मुद्रास्फीति संबंधी अनुमानों को संभालें। वृद्धि की बात करें तो बुलेटिन में सही कहा गया है कि उच्च मुद्रास्फीति खपत मांग को

प्रभावित कर रही है और कॉपोरेंट मुद्रांक और पूंजीगत व्यय पर भी असर पड़ रहा है। ऐसे में टिकाऊ उच्च वृद्धि के लिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखना आवश्यक है।

खाद्य कीमतों के असर के शुरूआती संकेतों को देखते हुए दरों में समय से पहले कटौती अनुमानों को प्रभावित कर सकती है और मुद्रास्फीति का सामान्यीकरण हो सकता है। रिजर्व बैंक ने 2010 के दशक के आरंभ में खाद्य कीमतों में वृद्धि की अनदेखी करने की गलती की थी। इससे मुद्रास्फीति व्यापक हो गई। इसका दोहराव नहीं होना चाहिए। नीतिगत दरों में कटौती की संभावना की बात करें तो चौथी तिमाही में रिजर्व बैंक के लिए आधार मुद्रास्फीति अनुमान 4.1 फीसदी है जो 4 फीसदी के लक्ष्य के क़रीब है। इससे अगले वर्ष दरों में कटौती की गुंजाइश बन सकती है। बहरहाल, अगर आर्थिक विकास की गति वास्तव में धीमी पड़ती है तो जैसी कि कुछ अर्थशास्त्रियों ने भी उम्मीद जताई है, तो व्याज दरों में कटौती की मांग और बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में एमपीसी को केन्द्रित रहने की जरूरत होगी।





स्पीड न्यूज

विजय जुलूस पर पत्थरबाजी, पुलिस की पहल पर हुआ मामला शांत

बड़कागांव। भाजपा के बड़कागांव प्रत्याशी रोशन लाल चौधरी के प्रचंड जीत के बाद रविवार को कंडावेर में अष्टभुजी की पूजा अर्चना के बाद बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांव में विजय जुलूस निकल गया विजय जुलूस बड़कागांव मुख्य चौक से कांडतरी ,सोनपुरा, मिजापुर होते हुए विश्रामपुर हरली तक पहुंचा उसके बाद देर रात को बादम पहुंचा । इस दौरान बादम राजा किला के निकट कुछ बातों को लेकर आपस में झड़प हो गया जिससे विजय जुलूस पर पत्थर बाजी की गई। हालांकि इस दौरान घटनास्थल से बहुत पीछे ही नवनिर्वाचित विधायक रोशन लाल चौधरी का गाड़ी था। जिसकी जानकारी उन्हें बाद में मिली। इस संबंध में एचडीपीओ पवन कुमार से पूछे जाने पर बताया कि हल्का-फुल्का बातचीत हुई थी। जिसे पुलिस के पल पर मामला को शांत कराया गया। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार विजय जुलूस जैसे ही राजा किला के पास पहुंचा तो ऊपर में मुसलमानों द्वारा लगाए गए झंडी टूट गया जिससे महिलाओं द्वारा जमकर गाली गलौज की गई और इसी बात को लेकर मामला बढ़ गया और झड़प हो गया इसके बाद दोनों और से पत्थर बाजी शुरू हो गया। इसके बाद एक समुदाय के लोग वहां से अपने-अपने घर के अंदर चले गए और मौके पर पुलिस पहुंचकर मामले को शांत किया।

बेटियों को हजारीबाग सांसद ने उपहार स्वरूप भेंट किया लहंगा

कटकमसांडी। लोकसभा सांसद मनीष जयसवाल पुर्व की भाति इस बार भी उनके द्वारा निरंतर भाई यानी लोकसभा सांसद मनीष जयसवाल के तरफ से बहनों को उपहार स्वरूप लहंगा भेंट किया गया। पुर्व विधायक प्रतिनिधि स्वयं बहनों के बीच जा जा कर कर के लहंगा भेंट किया।कटकमसांडी के विभिन्न गांवों में 15 से अधिक बेटियों को उनके विवाह के लिए उपहार स्वरूप लहंगा भेंट किया। सांसद मनीष जयसवाल की ओर से कटकमसांडी के पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा ने लोगों को लहंगा अपने हाथों सौंपा। लहंगा पाने वालों में पंचायत ,रेवर,आराभुसाई, लुपुंग, शाहपुर,गुदोखर ,कृष्णानगर, आदि गांवों के मिलाकर के कुल 15 से अधिक लड़की को उपहार स्वरूप लहंगा भेंट किया गया। परिजनों ने लोकसभा सांसद मनीष जसवाल के प्रति खूब आभार प्रकट किया है।पुर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सांसद हमेशा के लिए कटिबद्ध हैं पिछले वर्ष कि भाति इस बार भी लहंगा वितरण का कार्यक्रम किया जा रहा है। मौके पर उपस्थित पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा , पूर्व मंडल अध्यक्ष जीवन मेहता,पूर्व मुखिया प्रेम प्रसाद,मुखिया नारायण साव,निर्मल साव,बिरेन्द्र कुमार बीरू,मनोज,अनुराग मितल उर्फ सीकू,लेखराज यादव, एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मांडू के विधायक तिवारी महतो को भाजपा नगर परिषद के नेताओ ने दिया बधाई

बधाई देते

कुजू। रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष मनोज गिरि के नेतृत्व में मांडू नव निर्वाचित विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो के आवासीय कार्यालय सिरका जाकर शॉल और गुलदस्ता देकर जीत बधाई दी। बधाई देने वाले में जगत नारायण प्रसाद,विनोद विनोद प्रसाद,लाली कुशवाहा,रूपेश कुशवाहा,सजीव कुशवाहा,देवेंद्र गिरी,राहुल गिरी,पंकज कुशवाहा, हरिनारायण कुशवाहा, अर्जुन कुशवाहा,गौतम राम,कमलेश बेदीयां ,अरुण कुशवाहा,शिबू प्रजापति,अर्जुन यादव,रोलन लाल,दिनेश कुशवाहा,महेंद्र राम,प्रमोद यादव,अनिल यादव, विनोद कुशवाहा शामिल थे।

इंडिया गठबंधन के ऐतिहासिक जीत के लिए जनता को बधाई : डॉ. आशीष भुरकुंडा (रामगढ़)। सीपीआईएमएल के वामपंथी युवा नेता सह ऑल इंडिया झारखंड रयत विस्थापित-प्रभावित मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार ने झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिए ऐतिहासिक बहुमत देने पर जनता के प्रति आभार जताया है। उन्होंने हेमंत सोरेन एवं कल्पना सोरेन को बधाई देते हुए कहा कि सच्चाई की जीत और सांघदायिक ताकत की करारी हार हुई है। दो तिहाई बहुमत देकर झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिए झारखंड की जनता, मजदूर, किसान, चर, दलित, शोषित, पीड़ित और आदिवासी भाई-बहन सभी बधाई के पात्र हैं। बधाई देने वालों में डॉ. आशीष कुमार, केंद्रीय महासचिव नरेश नाटक, मृगुल प्रसाद, मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष सोमरा मुंडा, रोशन राम, प्रतिभा पटेल आदि शामिल थे।

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का आयोजन सोमवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में जिला समाहरणालय के सभागार में किया गया। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन तथा जल जीवन मिशन के प्रगति के संबंध में समीक्षा किया गया। बैठक में कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल प्रदीप रामगढ़ जिला अंतर्गत कुल 319 गांव में से 245 गांव ओडीएफ प्लस घोषित है। जबकि 74 गांव को ओडीएफ प्लस घोषित किया जाना शेष है, इस संबंध में उपायुक्त रामगढ़ के द्वारा निर्देशित किया गया कि संबंधित गांव में टोस एवं तरल कचरा प्रबंधन से संबंधित संरचनाओं का निर्माण करते हुए सभी गांव को ओडीएफ प्लस करना सुनिश्चित करें। प्लास्टिक कचरा के संग्रहण तथा पृथक्करण के संबंध में चर्चा के क्रम में बैठक में यूनिसेफ सहयोगी संस्था से निर्भय कुमार के द्वारा बताया गया कि जिला अंतर्गत कुल 125 पंचायत में से 25 पंचायत का भूमि प्रतिवेदन प्लास्टिक पृथक्करण केंद्र के निर्माण हेतु प्राप्त हुआ है इस

बिहार-झारखंड चेकपोस्ट पर घटी बड़ी घटना, पहुंचे जिले के एसपी व डीएसपी पिकअप में ट्रैलर ने मारी टक्कर, एक जवान की मौत, कई घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

चौपारण। थाना क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ी घटना सामने आई जिसमे धनबाद से भैंस लादकर बिहार जा रहा पिकअप दुर्घटनाग्रस्त होने से चोरदाहा चेक पोस्ट पर तैनात एक हवलदार की मौत हो गई। तीन आरक्षी सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए है। मामले की जानकारी के बाद एसपी हजारीबाग अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी अजित कुमार विमल व थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश घटना स्थल पर पहुंचे।

बिहार-झारखंड के सीमा पर अवस्थित चोरदाहा चेक पोस्ट पर

मौके पर उपस्थित लोग

सोमवार को धनबाद के कतरास से भैंस लोडकर बिहार जा रहा एक पिकअप वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के चपेट में आने से चेक पोस्ट पर तैनात हवलदार अरुण कुमार दुवे की मौत इलाज के दौरान सीएचसी चौपारण में हो गयी। जब की उनके साथ ड्यूटी पर तैनात आरक्षी रामेश्वर

हंसदा साहेबगंज, कैलास कुमार रजक बोकारो एवं बीरबल कुमार सिंह पलामू सहित तीन अन्य लोग घायल हो गए। घटना में गम्भीर रूप से घायल कैलास कुमार रजक को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया है। शेष लोगों का इलाज चौपारण में ही किया जा रहा है, मृतक हवलदार एवं आरक्षी जेप 7 के जवान थे।

पहुंचे एसपी व डीएसपी : घटना की सूचना पाते ही चोरदाहा पहुंचे एसपी, अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी अजित कुमार विमल एवं थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने घटना का जयजा

कैसे वाहन के चपेट में आये हवलदार

पिकअप चालक ने बताया वे धनबाद के कतरास से भैंस लोड कर बिहार की ओर जा रहा था। जवान लोग अपने ड्यूटी पर तैनात थे। जैसे पिकअप चेक पोस्ट पर पहुंची की पीछे से सरिया लोडकर बिहार की ओर जा रहा टेलर ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसे चालक का संतुलन खो बैठा और हवलदार एवं आरक्षियों को अपने चपेट में लेते हुए पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसे पिकअप पर सवार चालक सहित तीन लोग घायल हो गए।

लिया।मृतक हवलदार के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल बरही भेज दिया।

पिकअप में टक्कर के बाद ट्रैलर घुसा घर में : पिकअप को पीछे से टक्कर मारने के बाद टेलर चालक अपने गाड़ी पर से संतुलन खो बैठा। टेलर घटना स्थल से जीटी रोड पर 200 मीटर की दूरी पर अवस्थित सुरेंद्र यादव के घर में घुस गया, घटना में घर के लोग बाल बाल बच गए। बताते चलें कि 2022 में भी जैप तीन के जवान की हुई थी मौत।

सड़क पार कर रहे मां-बेटे को हाइवा ने रौंदा हादसे के लिए जिम्मेवार व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई हो : प्रदीप प्रसाद

खबर मन्त्र संवाददाता

कटकमदाग। कटकमदाग प्रखंड के शंकरपुर गांव के समीप सड़क पार कर रहीं मां- बेटे को एक तेज रफ्तार हाइवा ने रौंद दिया जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। छात्र डीपीएस स्कूल के चौथी कक्षा में पढता था। 36 वर्षीय लीला देवी अपने बेटे को स्कूल से छुट्टी के बाद स्कूटी पर बैठा कर घर ले जा रही थी। उन्ति दौरान विपरीत दिशा से तेज गति में हाइवा(नंबर: जे एच ०२ पी बी 2954) आ रहा था जिसने स्कूटी सवार माँ को को अपने चोपेट में ले लिया और ये दर्दनाक हादसा हो गया। महिला का घर सिरसी छ्बी नगर बताया जा रहा

लोगो को समझाते अधिकारी व विधायक

है। छात्र का नाम अमन कुमार बताया जा रहा है। महिला के पति सरकारी विभाग में कोडरमा में पोस्टेड है। इधर घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। जानकारी होने के बाद घटनास्थल पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी पहुंच गए है और लोगो को समझा बुझाकर जाम हटवाने को प्रयासरत है। नए नवेले विधायक प्रदीप प्रसाद भी जानकारी के बाद घटनास्थल

पर मौजूद है। हाइवा चालाक पकड़ा गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

क्या कहते है विधायक

इस मामले पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि इस रोड में नो एंट्री लगी रहती है। उसके बावजूद नो एंट्री का बोर्ड हटा दिया जाता है। ये अपराध है। इस तरह के हादसे के लिए जो भी जिम्मेवार है उसपर कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। मैंने हजारीबाग के पुलिस कप्तान से इस मामले पर बात की है। दोषी पर कार्रवाई होगी। कहा की इस सड़क की मॉनिटरिंग होनी चाहिए क्योंकि वहाँ भीड़ रहती है, स्कूल है, छात्रों का आना जाना रहता है।

अपराधिक गतिविधि की योजना बनाते एक धराया

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने सोमवार को प्रेस वार्ता किया। जिसमें बताया कि 24 नवंबर को पुलिस अधीक्षक अजय कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रामगढ़ थाना से करीब 03 किलोमीटर उत्तर रांची रोड इफिको कॉलोनी गेट के आस-पास एक व्यक्ति देशी कट्टा रखे हुए घुम रहा है तथा छिनतई, चोरी, मोटर साईकिल चोरी आदि अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के पिराक में है। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ द्वारा तत्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। बताया कि गठित टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक .के दिशा निर्देशन में इफिको कॉलोनी गेट के आस-पास छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस बल को

देखकर एक सँदिध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, तभी पुलिस बल द्वारा सँदिध व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति से नाम-पता पूछने पर अपना नाम मेहन्दे ठाकुर, उम्र करीब 32 वर्ष, पिता-स्व भीषू ठाकुर, सा-साइम मड़ई प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। बताया कि गठित टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक .के दिशा निर्देशन में इफिको कॉलोनी गेट के आस-पास छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस बल को देखकर एक सँदिध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, तभी पुलिस बल द्वारा जिंदा गोली लोड पाया गया। बरामद लोहे का देशी कट्टा एवं जिंदा कारतूस के संबंध में सख्ती से पृष्ठताछ करने पर बताया गया कि अवैध देशी कट्टा एवं कारतूस को बंगाल से खरीदा था। जिससे बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद आदि क्षेत्रों में अपने सहयोगियों के साथ छिनतई, चोरी, मोटर साईकिल चोरी आदि अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

भुरकुंडा कोयलांचला में निकाली गयी विजय शोभा यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल आदि क्षेत्रों में सोमवार को ढोल-नगाड़ों और झंडा-बैनर के बीच बड़कागांव के नवनिर्वाचित विधायक रोशनलाल चौधरी की भव्य विजय शोभा यात्रा निकाली गई। इसकी शुरुआत लबगा पंचायत के पंचबहनी स्कूल के पास से हुई। शोभा यात्रा बलकुदरा, कुरसे, मतकमा चौक, भुरकुंडा बाजार, थाना चौक, हॉस्पिटल कॉलोनी, सौंदा डी, सौंदा बस्ती आदि क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए पतरातु बाजार, प्लॉक चौक, शाह कॉलोनी, न्यू मार्केट के रास्ते बिरसा मार्केट पहुंचा। शोभा यात्रा के दौरान मतकमा चौक में भाजपा भदानीनगर

भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते रोशन लाल चौधरी

मंडल अध्यक्ष सागर कुमार दांगी और बिरसा चौक में भाजपा भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा के नेतृत्व में नवनिर्वाचित विधायक रोशनलाल चौधरी का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इससे पूर्व नवनिर्वाचित विधायक रोशनलाल चौधरी ने बिरसा चौक भुरकुंडा में

उसपर खरा उतरना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए हर सार्थक कदम उठाऊंगा। श्री चौधरी ने कहा कि बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने की दिशा में कार्य करना और पूरे क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करना मेरा लक्ष्य होगा। इधर जगह-जगह पर आजसू और भाजपा कार्यकर्ताओं ने रोशन लाल चौधरी को जोरदार स्वागत करते हुए पीएम मोदी जिन्दाबाद, भाजपा जिन्दाबाद, रोशन लाल चौधरी जिन्दाबाद का नारे लगाते दिखें। साथ ही डीजे के धुन नाचते-गाते हुए एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी।

डीसी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का आयोजन सोमवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में जिला समाहरणालय के सभागार में किया गया। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन तथा जल जीवन मिशन के प्रगति के संबंध में समीक्षा किया गया। बैठक में कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल प्रदीप रामगढ़ जिला अंतर्गत कुल 319 गांव में से 245 गांव ओडीएफ प्लस घोषित है। जबकि 74 गांव को ओडीएफ प्लस घोषित किया जाना शेष है, इस संबंध में उपायुक्त रामगढ़ के द्वारा निर्देशित किया गया कि संबंधित गांव में टोस एवं तरल कचरा प्रबंधन से संबंधित संरचनाओं का निर्माण करते हुए सभी गांव को ओडीएफ प्लस करना सुनिश्चित करें। प्लास्टिक कचरा के संग्रहण तथा पृथक्करण के संबंध में चर्चा के क्रम में बैठक में यूनिसेफ सहयोगी संस्था से निर्भय कुमार के द्वारा बताया गया कि जिला अंतर्गत कुल 125 पंचायत में से 25 पंचायत का भूमि प्रतिवेदन प्लास्टिक पृथक्करण केंद्र के निर्माण हेतु प्राप्त हुआ है इस

में बताया गया कि रामगढ़ जिला अंतर्गत कल 26116 लाभुक को शौचालय निर्माण हेतु स्वीकृति मिला है जिसके विरुद्ध वर्तमान अवधि तक 11266 शौचालय का निर्माण किया जा चुका है शेष 14850 शौचालय के निर्माण हेतु

गोवर्धन योजना के तहत निर्मित किया जा रहे गोबर गैस प्लांट के बारे में बताया गया कि चितरपुर प्रखंड अंतर्गत सेवई उत्तरी पंचायत में बायोगैस प्लांट का निर्माण किया जा रहा है जो की लगभग पूर्ण होने की अवस्था में है और दिसंबर के पहले सप्ताह तक चालू कर दिया जाएगा। प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट के निर्माण के संबंध में बताया गया कि रामगढ़ जिला अंतर्गत दो स्थानों पर मांडू तथा गोला में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का निर्माण किया जाना है जिसमें से मांडू प्रखंड में सिविल कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

एक नजर में

परवरिश एजुकेयर स्कूल में छात्राओं के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में शामिल बच्चे

कुजू। कुंदरिया बांध स्थित परवरिश एजुकेयर विद्यालय के प्रांगण में छात्राओं के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के चार गुप ए, बी, सी, डी के बच्चे शामिल हुए। प्रतियोगिता में गुप एएर्र में कक्षा द्वितीय से आठवीं की छात्राएं शामिल हुए। खेल का आगाज विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र कुमार सिंह एवं प्रबंधक निदेशक विकास कुमार सिंह के द्वारा हरी झंडी के द्वारा और राष्ट्रीय गान के साथ किया गया। साथ ही निदेशक और प्रबंधक निदेशक के द्वारा शुभकामनाएं भी दी गईं। खेल की कोच संगीता कुमारी की अगुवाई से कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न कराया गया। इस खेल का आकलन विद्यालय की शिक्षिका नंदिनी झा ने किया। शैक्षणिक समन्वयक रश्मी कुजूर ने खेल का कमेंट्री किया। पहले राउंड गुप ए और गुप सी के बीच हुआ। जिसमें विजयी गुप सी हुए,दूसरा राउंड में गुप बी एंड गुप डी के बीच प्रतियोगिता हुई। जिसमें गुप बी की टीम विजयी रहे। फाइनल राउंड में गुप बी और गुप सी के बीच किया गया। जिसमें विजय गुप बी रहे और प्रथम स्थान पर गुप सी रहे। मौके पर विद्यालय निदेशक शैलेंद्र कुमार और प्रबंधक निदेशक विकास कुमार सिंह, विद्यालय की समन्वयक रश्मि कुजूर, अकाउंटेंट नाजो खातून, अर्चना कुमारी, संगीता कुमारी, कंचन, प्रसाद, नंदिनी झा, रजनी कुमारी, सानू साहू, आकांक्षा मिश्रा, अंकित कुमारी, चंचल सिंह, शांति कुमारी, प्रियंका यादव, पूजा कुमारी, काजल कुमारी, आरती कुमारी हर्षिता कुमारी आदि शामिल थे।

स्वतंत्रता सेनानियों और समाजसेवियों के महान कार्यों से हमे प्रेरणा लेनी चाहिए : उमेश प्रसाद

कार्यक्रम में शामिल

रजरप्पा। रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में सोमवार को 'हमारे स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी' विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें वाटिका खंड के कक्षा अरुण से द्वितीय के छोटे नन्हें मुन्हे भैया बहन उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और समाजसेवियों के योगदान और बलिदानों के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों और समाज सुधारकों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस आयोजन ने सभी को हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और समाजसेवियों के महान कार्यों को याद करने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में भैया बहन महात्मा गांधी, भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चन्द्र बोस, बाल गंगाधर तिलक आदि के वेशभूषा में सजकर विद्यालय आये थे। विद्यार्थियों ने कविताएँ, गीत और भाषणों के माध्यम से इन महान व्यक्तियों के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वाटिका प्रमुख अमृता चौधरी, ललिता गिरी, पूनम सिंह, रानी कुमारी सहित अन्य शिक्षकों की प्रमुख भूमिका रही।

रामगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-14 इंटर डिस्ट्रिक्ट में भाग लेने के लिए रामगढ़ जिला की टीम की घोषणा

रामगढ़। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-14, इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट सत्र 2024-25 में भाग लेने के लिए रामगढ़ जिला की टीम धनबाद एवं बोकारो में पांच जिला के साथ लीग मैच खेलेगी। रामगढ़ जिला की टीम के लिए पिछले सप्ताह रविवार को स्थानीय छवनी फुटबॉल ग्राउंड में ट्रायल लिया गया था। कोच एवं सेलेक्टरों ने उपस्थित 33 खिलाड़ियों के बीच ट्रायल लिया। जिसमें प्रथम शॉर्टलिस्ट 22 खिलाड़ियों का किया गया था। उन्हें महेंद्र राणा कोच द्वारा तैयार कर 24 नवंबर को टीम की घोषणा की गई। जिसमें 15 खिलाड़ियों को टीम के मैनेजर एवं कोच सूरज प्रसाद एवं अभिषेक कुमार के नेतृत्व में सोमवार को प्राप्त: धनबाद रवाना किया गया। रामगढ़ जिला का प्रथम मैच पश्चिमी सिंहभूम के साथ 26 नवंबर को धनबाद में होगा। रामगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अरुण कुमार राय, सह सचिव एवं सेलेक्टर वीरेंद्र प्रसाद पासवान, कोषाध्यक्ष एवं सेलेक्टर सूरज प्रसाद, कोच महेंद्र राणा ने टीम की घोषणा की। टीम का कप्तान सुमित कुमार को बनाया गया। तुषार मांझी को उप कप्तान बनाया गया है। टीम के अन्य सदस्यों में शिवम कुमार गोप, अमन प्रसाद, उमर राजा,मृत्तुंजय कुमार शर्मा, आलोक टुडू, विद्यासागर, अरविंद राज, पुरोहित कुमार, कुमार सूर्यवंश राज,शशांक, रौनक पासवान, रमित सिंह, सार्थक सिंह के अलावा पांच खिलाड़ियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। जिनके नाम हैं: पुनित महतो, अर्चित कुमार, अर्चित राज, संस्कार पटेल, पराग गुप्ता के अलावा टीम मैनेजर सूरज प्रसाद एवं टीम के कोच अभिषेक कुमार को बनाकर टीम के साथ रवाना किया गया।



गौतम अदाणी व सात अन्य के खिलाफ प्रत्यर्पण की हो सकती है कोशिश

भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि पर 1997 में हस्ताक्षर किए गए थे

भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और सात अन्य के खिलाफ मामला काफी आगे बढ़ सकता है और इससे गिरफ्तारी वारंट जारी होने के साथ प्रत्यर्पण के प्रयास भी हो सकते हैं। करोड़ों डॉलर के रिश्तखोरी मामले में अमेरिका में दीवानी और आपराधिक आरोप दायर किए जाने के बाद, यहां के एक प्रमुख अर्टोर्नी ने यह बात कही।

अमेरिकी न्याय विभाग ने भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अदाणी तथा उनके भतीजे सागर अदाणी सहित सात अन्य पर महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश और ओडिशा के अधिकारियों को रिश्तत देने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इसमें अधिकारियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

इन परियोजनाओं से समूह को 20 साल से अधिक समय में दो अरब डॉलर से अधिक लाभ होने का उम्मीद है। हालांकि, अदाणी समूह ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप हानिराधाररूढ़ हैं और समूह ह्रस्वभी कानूनों का अनुपालन करता है।

भारतीय-अमेरिकी वकील रवि बत्रा ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा से कहा, ह्रस्वअमेरिकी अर्टोर्नी ब्रायन पीस को अदाणी और सात अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने और वहां भेजे जाने का अधिकार है, जहां वे रहते हैं।

उन्होंने कहा, अगर उस देश के पास प्रत्यर्पण संधि है, जैसा कि भारत के पास है, तो संप्रभु राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय समझौते के अनुसार, मूल देश को अमेरिका द्वारा प्रत्यर्पित व्यक्ति को सौंपना चाहिए। एक प्रक्रिया है जिसका मूल देश को अपने कानूनों के अनुरूप पालन करना चाहिए।



भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि पर 1997 में हस्ताक्षर किए गए थे। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अर्टोर्नी पीस ने 62 वर्षीय अदाणी, उनके भतीजे सागर (समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक) और इसके पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनीत एस जैन के खिलाफ पांच मामलों में आपराधिक अभियोग की घोषणा की है।

अभियोग में उन पर झूठे और भ्रामक बयानों के आधार पर अमेरिकी निवेशकों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से धन प्राप्त करने की कई अरब डॉलर की योजना में उनकी भूमिका, प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी और वास्तविक प्रतिभूति धोखाधड़ी करने के षड्यंत्र का आरोप लगाया गया है। अभियोग में एज्योर पॉवर ग्लोबल के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रंजीत गुप्ता और पूर्व मुख्य रणनीति एवं वाणिज्यिक अधिकारी रूपेश अग्रवाल तथा एक कनाडाई संस्थागत निवेशक के पूर्व कर्मचारी सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल और दीपक मल्होत्रा पर विदेशी षष्ठ आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश का आरोप लगाया

गया है।

पीस ने कहा कि आरोपियों ने अरबों डॉलर के अनुबंध हासिल करने के लिए भारत के सरकारी अधिकारियों को रिश्तत देने के लिए एक ह्रस्वस्तुत योजनारूढ़ बनाई और अदाणी, सागर और जैन ने ह्रस्वरिश्तत योजना के बारे में झूठ बोला क्योंकि वे अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से पूंजी जुटाने की कोशिश कर रहे थे।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, विदेशी षष्ठ आचरण अधिनियम (एफसीपीए) किसी कार्रवाई को प्रभावित करने, रैरकानूनी चूक करने या अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए विदेशी अधिकारियों को भुगतान करने पर प्रतिबंध लगाता है अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने गौतम और सागर अदाणी तथा एज्योर पावर के कार्यकारी कैबनेस पर ह्रस्वधीय प्रतिभूति कानूनों के धोखाधड़ी-रोधी प्रावधानों का उल्लंघन करनेरूढ़ का भी आरोप लगाया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति आवास एवं कार्यालय ह्रस्वडाइट हाउसरूढ़ ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत नींव

पर टिके हैं तथा वह भारतीय अरबपति गौतम अडाणी पर लगे रिश्ततखोरी के आरोपों से पैदा हुई स्थिति से निपटने को लेकर आश्चरत है। इसका संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अडाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2200 करोड़ रुपये) की रिश्तत देने में शामिल होने का आरोप लगाया है।

ह्राइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जिन-पियरे ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्रस्वअमेरिका और भारत के संबंध हमारे लोगों के आपसी रिश्तों एवं कई वैश्विक मुद्दों को लेकर सहयोग पर आधारित एक बेहद मजबूत नींव पर टिके हैं। हमें भरोसा है कि हम इस मुद्दे को उसी तरह सुलझा लेंगे, जैसे कि हमने अन्य मुद्दों को सुलझाया है। गौर हो कि अडाणी समूह सभी आरोपों को निराधार बता चुका है। बृहस्पतिवार को उसने कहा था कि वह सभी संभावित कानूनी उपाय अपनाएगा।

ई वे बिल को जानें



अजय दीप वाघवा

ई वे बिल एक रसीद या दस्तावेज है जो माल की खेप के शिपमेंट से संबंधित विवरण देता है । इस विवरण में माल भेजने वाले और माल पाने वाले का नाम, माल की उत्पत्ति का स्थान, उसका गंतव्य और मार्ग शामिल होता है। ई-वे बिल प्रणाली भारत के जीएसटी ढांचे के तहत माल की आवाजाही को सुव्यवस्थित करती है। यह सुनिश्चित करता है कि हर खेप का उचित दस्तावेजीकरण किया जाए, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और पेशानी मुक्त हो।

जीएसटी के तहत माल की आवाजाही के लिए इलेक्ट्रॉनिक वे बिल की आवश्यकता होती है। एक जी सी टी पंजीकृत व्यक्ति वाहन में उस माल का परिवहन तभी कर सकता है जिसका मूल्य 50,000 रुपये (एकल चालान/बिल/डिलीवरी चालान) से अधिक है और जिसका ई-वे बिल ewOybillgst.gov.if पर जेनरेट किया गया हो। वैकल्पिक रूप से, ई वे बिल को एसएमएस , एंड्रॉइड ऐप और एपीआई के माध्यम से साइट-टू-साइट एकीकरण द्वारा पार्टियों के सही जीएसटीआईएन दर्ज करके भी जनरेट या रद्द किया जा सकता है। जब एक ई वे बिल जनरेट होता है, तो एक बिल नंबर (ईबीएन) आवॉटेंट किया जाता है और यह आपूर्तिकर्ता, प्राप्तकर्ता और ट्रांसपोर्टर के लिए उपलब्ध होता है। ई-वे बिल दो घटकों अर्थात भाग ए और भाग बी में विभाजित है। ई-वे बिल जारी करने वाले व्यक्ति को भाग ए के निम्नलिखित विवरण भरने चाहिए -

प्राप्तकर्ता के जीएसटीआईएन का विवरण , डिलीवरी का स्थान (पिन कोड),

चालान या चालान संख्या और दिनांक, माल का मूल्य, एचएसएन कोड ,

परिवहन दस्तावेज संख्या (माल रसीद संख्या या रेलवे रसीद संख्या या एयरवे बिल संख्या या बिल ऑफ लैंडिंग संख्या) और

परिवहन के कारण।

जहां तक भाग बी का प्रश्न है, इसमें ट्रांसपोर्टर का विवरण शामिल होता है। जैसा कि पहले चर्चा की गई है कि ई-वे बिल तब तैयार किया जाता है जब किसी वाहन/वाहन में 50,000 रुपये से अधिक मूल्य के माल की आवाजाही होगी (या तो प्रत्येक चालान या वाहन/वाहन में सभी चालानों का कुल योग)। पर कुछ निर्दिष्ट वस्तुओं के लिए, ईवे बिल को अनिवार्य रूप से जनरेट किया जाना चाहिए, भले ही माल की खेप का मूल्य 50,000 रुपये से कम हो। इन निर्दिष्ट वस्तुओं की जानकारी जीएसटी वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसी प्रकार किसी डीलर द्वारा हस्तशिल्प वस्तुओं के अंतर-राज्यीय परिवहन को जीएसटी पंजीकरण से छूट दी गई है। ई वे बनाने की प्रक्रिया को सरल रखा गया है ताकि आम कर दाता को तकलीफ न हो। वर्तमान में यह व्यवस्था अच्छे ढंग से काम कर रही है और शिकायतों की सूची बहुत छोटी है। (लेखक कॉस्ट अकाउंटेंट, कर सलाहकार, रांची हैं।)

इनकम टैक्स रिटर्न में विदेश में स्थित संपत्ति व अर्जित आय का खुलासा न करने पर लगेगा 10 लाख का जुमाना

ईंटीआर में विदेश में स्थित संपत्ति व अर्जित आय का खुलासा न करने पर लगेगा 10 लाख का जुमाना देर से एवं संशोधित आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है

आयकर विभाग ने रविवार को करदाताओं को आगाह किया कि आईटीआर में विदेश में स्थित संपत्ति या विदेशों में अर्जित आय का खुलासा न करने पर कालाधन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुमाना लग सकता है।

विभाग ने हाल ही में शुरू किए गए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि करदाता आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में ऐसी जानकारी दर्ज करें। परामर्श में स्पष्ट किया गया है कि पिछले वर्ष में भारत के कर निवासी के लिए विदेशी परिसंपत्ति में बैंक खाते, नकद मूल्य बीमा अनुबंध या वार्षिकी



अनुबंध, किसी इकाई या व्यवसाय में वित्तीय हित, अचल संपत्ति, अभिरक्षक खाता, इक्विटी और ऋण हित, ट्रस्ट जिसमें व्यक्ति ट्रस्टी है, सेटलर का लाभार्थी, हस्ताक्षर प्राधिकरण आदि खाते,

विदेश में रखी गई कोई पूंजीगत परिसंपत्ति आदि शामिल हैं।

विभाग ने कहा कि इस मानदंड के अंतर्गत आने वाले करदाताओं को अपने आईटीआर में विदेशी परिसंपत्ति (एफए)

या विदेशी स्रोत से आय (एफएसआई) अनुसूची को ह्रस्वनिवार्य रूप सेह्र बना होगा, भले ही उनकी आय ह्रस्वर योग्य सीमा से कमह्र हो या विदेश में संपत्ति ह्रस्वरक स्रोतों से अर्जित की गई हो। परामर्श के अनुसार, आईटीआर में विदेशी संपत्ति/आय का खुलासा न करने पर काला धन (अशोधित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत 10 लाख रुपये का जुमाना लग सकता है।

कर विभाग के लिए प्रशासनिक निकाय, केद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा था कि अभियान के तहत वह उन निवासी करदाताओं को ह्रस्वचान्मकह्र एसएमएस और ईमेल भेजेगा, जिन्होंने पहले ही आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपना आईटीआर दाखिल कर दिया है।

यह संचार ऐसे व्यक्तियों को भेजा जाएगा, जिनकी द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों के तहत प्राप्त जानकारी के माध्यम से पहचान की गई है, जिसमें सुझावदिया गया है कि ये व्यक्ति विदेशी खाते या संपत्ति रख सकते हैं, या विदेशी क्षेत्राधिकार से आय प्राप्त कर चुके हैं। देर से एवं संशोधित आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है।

बैंकों को ब्याज दरें कम करने की जरूरत : निर्मला सीतारमण

केद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण स्टेट बैंक आफ इंडिया की शताब्दी पर संबोधित करते हुए।

केद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बैंक ब्याज दरें कुछ लोगों के लिए बेहद दबाव वाली हैं, और उन्हें सस्ता बनाने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने आर्थिक वृद्धि में सुस्ती की आशंका के बारे में व्यापक चिंताओं के बीच भरोसा दिलाया कि सरकार घरेलू और वैश्विक चुनौतियों से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। सीतारमण ने कहा, ह्रस्वमहत्त्वपूर्ण बात यह है कि जब आप भारत की वृद्धि की आवश्यकताओं को देखते हैं,

और कई तबकों से यह राय सामने आती है कि उधार लेने की लागत वास्तव में बेहद दबाव बढ़ाने वाली है। ऐसे समय में जब हम चाहते हैं कि उद्योग तेजी से आगे बढ़ें और क्षमता निर्माण हों, बैंक ब्याज दरें कहीं अधिक सस्ती होनी चाहिए।ह्र उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के वार्षिक व्यापार और आर्थिक सम्मेलन में बैंकों से ऋण देने के अपने मूल काम पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। वित्त मंत्री ने कहा कि बीमा उत्पादों की गलत ढंग से बिक्री भी अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति या संस्की के लिए कर्ज लेने की लागत को बढ़ाती है।

एसबीआई चालू वित्त वर्ष 500 और शाखाएं

बजाज फाइनेंस की एफडी : वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा 8.85% ब्याज

बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल), जो कि बजाज फिनसर्व लिमिटेड का हिस्सा है, अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजनाओं की वजह से देशभर में जमाकर्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में इसकी एफडी बुक 21% बढ़कर 66,131 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। बजाज फाइनेंस वरिष्ठ नागरिकों को 42 महीनों की एफडी पर 8.85% की आकर्षक ब्याज दर प्रदान कर रहा है, जो बाजार में उपलब्ध उच्चतम दरों में से एक

है। 60 वर्ष से कम आयु के जमाकर्ताओं को भी 8.65% का ब्याज मिलता है। कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष सचिन सिक्का ने कहा, ह्रस्वबजाज समूह की विश्वसनीयता और डिजिटल निवेश की आसान प्रक्रिया ने इसे जमाकर्ताओं के लिए पहली पसंद बना दिया है।

पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में बजाज फाइनेंस की एफडी योजनाओं में निवेश तेजी से बढ़ रहा है। यहां जमाकर्ताओं में दो तिहाई हिस्सेदारी वरिष्ठ नागरिकों की है। साथ ही महिला और पुरुष निवेशकों की

सहभागिता लगभग समान है, जो निवेशकों के विविध वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है।

ऋडिट रेटिंग और तकनीकी ताकत

बजाज फाइनेंस को क्रिसिल और इक्का से एएए/स्थिर (अअअ/रु्ी) रेटिंग प्राप्त है, जो इसकी वित्तीय स्थिरता को दर्शाती है। इसके अलावा, कंपनी का डिजिटल एप ह्रस्वबजाज फिनसर्वह्र भारत में चौथा सबसे अधिक डाउनलोड किया जाने वाला वित्तीय एप है, जिसे 61.67 मिलियन लोग इस्तेमाल कर रहे हैं।

जी20 रियो डी जनेरियो में दुनिया की चिंता

प्रशांत झा

जी20 रियो डी जनेरियो घोषणापत्र जिसका नेताओं ने समर्थन किया उसमें दुनिया भर में मौजूद अधिकांश अहम मुद्दों का जिक्र किया गया है। ये मुद्दे हैं: युद्ध, जलवायु परिवर्तन, गरीबी और भूख, समता और वैश्विक संचालन आदि। इस दौरान मेजबान देश ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा जिन्हें लूला के नाम से भी जाना जाता है, वह यह दावा कर सकते हैं कि मसीदे को लेकर विभिन्न नेताओं में असहमति तथा अर्जेंटीना के मतभेद के बीच भी वह अपने एंजेडे को कामयाब बनाने में सफल रहे।

ऐसे में घोषणापत्र की भाषा दिखाती है कि जी20 में कई मुद्दों

को लेकर समझौते की स्थिति है। परंतु इसका नतीजा यह हुआ कि जो प्रारूप सामने आया उसका दायरा सामान्य था और उसमें विशेषताओं की कमी रही। यद्यपि अंतिम समझौते ने लूला को वार्ता की अंतिम घोषणा पर बातचीत में विफल होने से बचा लिया लेकिन डॉनल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के पहले रियो घोषणापत्र में एंजेडे को सार्थक ढंग से आगे बढ़ाने के अवसर को गंवा दिया गया।

लूला को दो कामयाबियां मिलीं। पहली, वैश्विक अरबपतियों पर दो फीसदी कर के प्रस्ताव का उल्लेख। इस मुद्दे पर बातचीत इसलिए बाधित हुई थी कि अर्जेंटीना ने इसका काफी विरोध किया था। उनकी इससे भी बड़ी उपलब्धि थी भूख और

गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठजोड़ को आगे ले जाना। इसे समापन घोषणापत्र में भी स्थान मिला। अब तक 82 देशों ने योजना पर हस्ताक्षर किए हैं। परंतु रियो घोषणापत्र में अन्य अहम मुद्दों पर कदम उठाने में काफी देर हो चुकी है। उदाहरण के लिए जलवायु परिवर्तन पर घोषणापत्र से अपेक्षा थी कि कॉप29 सम्मेलन (बाक्) में जलवायु वित्त को लेकर बातचीत में जो गतिरोध आया था उसमें कुछ प्रगति देखने को मिलेगी। गत वर्ष दिल्ली में जलवायु वित्त की राशि को ह्रस्वअरबों से बढ़ाकर खरबोंह्र में करने की बात को दोहराने के अलावा रियो में ऐसा कुछ नहीं बताया गया कि यह राशि कहाँ से आएगी।



